डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

वर्ष-4 | अंक-185 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 30 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा को मिलेगी 446 करोड़ की विकास की सौगात

मुख्यमंत्री योगी 42 परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास–लोकार्पण

धार्मिक पर्यटन, सड़क रोशनी और यात्री सुविधाओं पर रहेगा जोर

पूरी हो चुकी परियोजनाएं श्रद्धालुओं को होंगी समर्पित

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कान्हा की नगरी मथुरा–वृंदावन को विकास की बड़ी सौगात मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 446.09 करोड़ रुपये की लागत वाली 42 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। इनमें 263.69 करोड़ रुपये की 19 परियोजनाओं का शिलान्यास और 182.39 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हो चुकी 23 परियोजनाओं का लोकार्पण शामिल है। इन कार्यों से ब्रज में धार्मिक पर्यटन के साथ सड़क, प्रकाश, सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी- मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि नई परियोजनाओं में प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों को सुविधाओं से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया है। गोवर्धन तहसील के ऊंचागांव में सखीगिरी पर्वत के 30 हेक्टेयर वन क्षेत्र का पर्यावरणीय पुनरुद्धार किया जाएगा। महावन के प्रेमनगर स्थित बौद्ध विहार परिसर में पर्यटक सुविधाएं विकसित होंगी। शेरगढ़ के श्री दाऊजी मंदिर परिसर का संरक्षण करने के साथ पंडाल, पार्किंग और प्रसाधन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। फरह के दीनदयाल धाम में पर्यटन अवस्थापना केंद्र बनाया जाएगा।

वृंदावन परिक्रमा मार्ग के भवनों पर आकर्षक प्रकाश व्यवस्था, सौंदर्यीकरण और दिशा–सूचक पट लगाए जाएंगे। गोवर्धन में भी पर्यटक सुविधाओं का विस्तार होगा। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की प्रमुख परियोजनाओं में छाता क्षेत्र में 30 मीटर चौड़ी मास्टर प्लान सड़क, छटीकरा–वृंदावन मार्ग का सौंदर्यीकरण और मथुरा कट से टैंक चौराहा मार्ग का विकास शामिल है। लक्ष्मी नगर तिराहे से कृष्णापुरी तिराहे तक सड़क का उच्चीकरण किया जाएगा। बरसाना परिक्रमा मार्ग पर पार्किंग और पर्यटक सुविधाएं विकसित होंगी। श्रीकृष्ण जन्मस्थान के आसपास की गलियों और मार्गों को भी आकर्षक रूप दिया जाएगा।

लोकार्पित होने वाली परियोजनाओं में अकबरपुर जैत का पर्यटक सुविधा केंद्र, करहला में वज्रनाभ समाधि का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण, वृंदावन के सुनरख में सौभरि ऋषि जलाशय का सौंदर्यीकरण प्रमुख है। नौहझील के झाड़ी वाले हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का विकास और पानीगांव स्थित यमुना पुल पर आकर्षक प्रकाश व्यवस्था भी शुरू होगी। मथुरा परिक्रमा मार्ग का नवीनीकरण, विभिन्न भाषाओं में दिशा–सूचक पट, गीता शोध संस्थान और रासलीला अकादमी में अतिथि गृह, यमुना एक्सप्रेस–वे से पागल बाबा मंदिर–वृंदावन मार्ग पर नया प्रवेश द्वार और विभिन्न सीमा बिंदुओं पर भव्य प्रवेश द्वार भी श्रद्धालुओं को समर्पित किए जाएंगे। वृंदावन के केशीघाट पर प्रकाश व्यवस्था और कुंभ मेला मैदान में श्रद्धालुओं के लिए छायादार शेड भी लोकार्पित होंगे। बरसाना में यात्री शेड, जल केंद्र, ठहराव क्षेत्र और शौचालय जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। विश्व बैंक की सहायता से चल रही गरीबोन्मुखी पर्यटन विकास परियोजना के तहत शिल्प केंद्र, समेकित पुष्प प्रबंधन केंद्र, कृष्ण पोशाक शिल्प केंद्र और जैंत आदर्श शिल्प ग्राम जैसी परियोजनाएं भी शुरू होंगी। इन विकास कार्यों से ब्रज में देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

तीन किलोमीटर लंबा जाम गर्मी में हाईवे पर हा–हाकार

नवादा के पास हाइवे पर लगे जाम के साथ ही सर्विस मार्ग पर लगे जाम में फंसे वाहन।

हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार, तपती सड़क पर बेहाल दिखे राहगीर–वाहन चालक

गर्मी और उमस ने बढ़ाई जाम में फंसे लोगों की परेशानी यातायातकर्मी दिखे सुस्त

यूनिक समय, मथुरा। रविवार को हाईवे पर जाम ने वाहनों की रफ्तार थाम दी तो गर्मी और उमस ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। पुराने एआरटीओ कार्यालय के सामने से करीब तीन किलोमीटर पीछे तक वाहनों की कतार लगी रही। जाम में बड़े वाहनों के साथ मोटरसाइकिल और कार सवार भी फंसे रहे। तपती सड़क पर वाहनों के बीच लंबे समय तक खड़े रहने के कारण लोग गर्मी से बेहाल नजर आए।

हाइवे थाना के सामने लगने वाले जाम का अधिकारी कोई तोड़ नहीं निकाल पा रहे हैं। चौराहा कट को बड़े वाहनों के लिए बंद किए जाने के बाद भी जाम के हालात कम नहीं हो सके हैं। रविवार दोपहर 11 बजे के बाद लगने वाला जाम दोपहर बाद तक चलता रहा। त्योहार पर लौट रहे लोग जाम की वजह से बेहाल नजर आए। दोपहर के समय तापमान अधिक होने के साथ वातावरण में उमस भी बनी रही। ऐसे में हाईवे पर जाम में फंसे वाहन चालकों और यात्रियों के लिए परेशानी दोगुनी हो गई। कई लोग वाहनों से बाहर निकलकर जाम खुलने का इंतजार करते दिखाई दिए। वहीं, मोटरसाइकिल सवारों को धूप में खड़े रहना पड़ा। बच्चों और बुजुर्गों के साथ सफर कर रहे परिवारों को भी गर्मी के कारण खासा दिक्कत हुई। हाईवे पर जाम की वजह से वाहनों के इंजन और कारों के एसी चलते रहे, जिससे आसपास गर्मी और बढ़ गई। कुछ वाहन चालक छांव की तलाश में सड़क किनारे खड़े दिखाई दिए। जाम खुलने के इंतजार में लोगों को थोड़ी दूरी तय करने में भी काफी समय लग गया। रविवार होने के कारण हाईवे पर वाहनों का दबाव भी अधिक रहा। जाम बढ़ने के साथ यातायात व्यवस्था प्रभावित होती चली गई। वाहन चालकों का कहना था कि गर्मी और उमस के बीच लंबे समय तक जाम में फंसना बेहद मुश्किल रहा। जाम के कारण जहां वाहनों की रफ्तार थमी रही, वहीं गर्मी और उमस ने यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। शाम तक वाहन चालक जाम से राहत पाने के लिए परेशान नजर आए। जाम की वजह जानने को लोग उतावले दिखे, लेकिन पता नहीं चल सका।

यूपी में स्वाइन फ्लू का बढ़ा खतरा, मथुरा में सतर्कता

पश्चिमी यूपी में बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

फ्लू जैसे लक्षणों पर जांच और उपचार की सलाह

यूनिक समय, मथुरा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एच1एन1 संक्रमण के बढ़ते मामलों और हापुड़ में स्वाइन फ्लू से पहली मौत सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। हापुड़ के धनौरा निवासी नानक चंद शर्मा की नोएडा के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हुई। जांच में उनके एच1एन1 संक्रमित होने की पुष्टि हुई। इसके अलावा हापुड़ में चार अन्य मरीजों में भी संक्रमण की पुष्टि हुई है। सभी की जांच आरटीपीसीआर के माध्यम से की गई। लगातार सामने आ रहे मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए लोगों की जानकारी जुटाकर उनकी निगरानी शुरू कर दी है। चिकित्सा दलों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग के दो अधिकारियों के बीमार होने की जानकारी भी सामने आई है, हालांकि उनमें स्वाइन फ्लू की पुष्टि नहीं हुई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में संक्रमण के मामले बढ़ने से मथुरा में भी स्वास्थ्य विभाग को सतर्क रहने की जरूरत बढ़ गई है। जिले में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना, शरीर में दर्द और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षणों वाले मरीजों पर विशेष निगरानी रखी जा सकती है। स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में फ्लू जैसे लक्षण वाले मरीजों की स्थिति पर नजर रखने के साथ गंभीर मामलों को तत्काल उच्च चिकित्सा केंद्र भेजने की व्यवस्था पर जोर दिया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. राधाबल्लभ ने लोगों से फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही नहीं बरतने और चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है।

खासकर बुजुर्गों, बच्चों और पहले से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। भीड़भाड़ वाली जगहों पर अनावश्यक जाने से बचने, खांसते–छींकते समय मुंह और नाक ढकने और हाथों की स्वच्छता का ध्यान रखने से संक्रमण के प्रसार को कम करने में मदद मिल सकती है।

कोलकाता हाईकोर्ट ने बच्चे के हित में दिया फैसला

सौतेले पिता का नाम जन्म प्रमाणपत्र में जोड़ने की मंजूरी

बालिग होने पर बच्चे को नाम बदलने की स्वतंत्रता

यूनिक समय, कोलकाता। कोलकाता हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में नगर निकाय अधिकारियों को नाबालिग बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में सौतेले पिता का नाम दर्ज करने और बच्चे का उपनाम बदलने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि यह बदलाव बच्चे के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए किया जा सकता है। हालांकि, बालिग होने के बाद बच्चे को अपनी पसंद के अनुसार नाम रखने या बदलने की स्वतंत्रता होगी।

न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी ने मां की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिकाकर्ता ने बच्चे के जन्म रिकॉर्ड में उसके उपनाम और जैविक पिता के नाम में बदलाव की मांग की थी। अदालत ने कहा कि समाज समय के साथ आगे बढ़ चुका है और मौजूदा परिस्थितियों में जन्म रिकॉर्ड में जैविक पिता का नाम बनाए रखना हमेशा जरूरी नहीं है। याचिकाकर्ता के अनुसार, उसकी पहली शादी 25 अप्रैल 2012 को सुभंकर कर्मकार से हुई थी। इस विवाह से एक पुत्र का जन्म हुआ। बाद में हुगली के जिला न्यायाधीश ने आठ अक्टूबर 2021 को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13–बी के तहत तलाक की डिक्री मंजूर की।

इसके बाद महिला ने छह मार्च 2022 को राजेश घोष से विवाह किया। यह विवाह विवाह पंजीयक कार्यालय में विधिवत दर्ज है। अदालत ने बच्चे की वर्तमान पारिवारिक परिस्थितियों और उसके हित को देखते हुए जन्म प्रमाणपत्र में आवश्यक बदलाव की अनुमति दी।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तैयारियों में जुटे अधिकारी

सड़क, सफाई और बिजली व्यवस्था को सुधारने में लगे विभाग

हर विभाग के अधिकारियों का दिखाई दे रहा जमावड़ा

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा-वृंदावन आगमन को लेकर प्रशासनिक अमले में हड़कंप मचा हुआ है। हर किसी विभाग के अधिकारी अपनी तरह से पूरी तैयारियों में जुटे हैं। वृंदावन और मथुरा को चमकाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के मथुरा–वृंदावन आगमन को लेकर जहां नगर निगम पूरी तरह से मार्गों को चमकाने में जुटा है। इसके साथ ही हैलीपेड से लेकर वृंदावन शोध संस्थान तक के मार्ग पर रंगाई-पुताई कराने में जुटा हुआ है। मार्ग में सभी तरह के अतिक्रमण को हटवाया जा रहा है। यहां तक कि इस मार्ग पर लगने वाली ढकेलों को भी हटवाया जा रहा है। मार्ग में सड़क की मरम्मत के साथ–साथ ऐसे स्थानों को हरे पर्दे लगा कर छिपाया जा रहा है, जहां गंदगी को हटवाया नहीं जा सकता है। बिजली विभाग भी अपनी तैयारियों में लगा है। बिजली के पोलों पर प्लास्टिक लगवाई जा रही है।

इसके साथ ही जहां जर्जर तार हैं, उन्हें हटवाया जा रहा है। ट्रांसफार्मरों को चेक किया जा रहा है। अधिकारियों को डर है कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान किसी भी तरह बिजली गुल न हो जाए। पुलिस प्रशासन भी अपनी पूरी मुस्तैदी के साथ इस बात का जायजा ले रहा है कि कहां कितना सुरक्षा के लिए फोर्स लगाया जाएगा।

सुधारा जा रहा है हैलीपेड को

यूनिक समय,मथुरा। वृंदावन में हैलीपेड पर मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सजाया जा रहा है। बच्चों को इस मैदान में क्रिकेट खेलने को लेकर रोक लगाई गई है। कोई भी बच्चा हैलीपेड मैदान में नहीं खेलेगा।

वृंदावन में हटवाया जा रहा अतिक्रमण

यूनिक समय, मथुरा। सड़क और चौराहों पर नगर निगम द्वारा सफाई के साथ लाइटिंग की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के प्रस्तावित मार्ग के मद्देनजर वृंदावन में अतिक्रमण हटवाया जा रहा है।

गीता शोध संस्थान के आसपास रहेगी अचूक सुरक्षा

यूनिक समय,मथुरा। गीता शोध संस्थान के आस–पास के क्षेत्रों में सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम को लेकर पुलिस सतर्कता विभाग ने जांच शुरू कर दी है। वहां बम निरोधक दस्ते द्वारा चेकिंग की जाएगी। इसके साथ ही आस–पास के इलाके में भी पुलिस कड़ी नजर रखेगी।

कान्हा गौशाला में भी हो रही है सफाई

यूनिक समय, मथुरा। गीता शोध संस्थान के समीप बनी कान्हा गौशाला में भी साफ-सफाई की जा रही है। अधिकारियों को इस बात का डर है कि कहीं मुख्यमंत्री अचानक इस गौशाला को देखने के लिए न पहुंच जाए। गौशाला में गायों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

शहर में धंसी सड़कों को कराया जा रहा है ठीक

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में सड़कों की सफाई से लेकर चौराहों पर लाइटिंग के अलावा रोडों पर लाइटिंग की जा रही है। इसके साथ ही रोडों पर धंसी सड़क को ठीक कराया जा रहा है।

राधाष्टमी पर 18 सितंबर से सजेगा संगीत–नृत्य महोत्सव

स्वामी हरिदास समिति ने आयोजन को लेकर शुरू की तैयारियां

शास्त्रीय संगीत के दिग्गज कलाकारों संग उभरती प्रतिभाएं देंगी प्रस्तुति

यूनिक समय, वृंदावन। श्री राधाष्टमी पर्व पर संगीत शिरोमणि स्वामी हरिदास समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय संगीत-नृत्य महोत्सव का आयोजन 18 और 19 सितंबर को किया जाएगा। महोत्सव को भव्य रूप देने के लिए समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। महोत्सव में देश के ख्यातिलब्ध संगीत कलाकारों के साथ उभरती प्रतिभाओं को भी मंच प्रदान किया जाता है। इसका उद्देश्य संगीत प्रेमियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की विविध विधाओं और उसकी गहराइयों से परिचित कराना है।

आयोजन की तैयारियों को लेकर रविवार को केशव कुंज स्थित समिति कार्यालय पर बैठक हुई। इसमें महोत्सव के व्यापक प्रचार–प्रसार और सामाजिक माध्यमों के जरिए युवा पीढ़ी को भारतीय शास्त्रीय संगीत से जोड़ने पर चर्चा की गई। महोत्सव में आने वाले संगीत प्रेमियों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर भी विचार–विमर्श हुआ। समिति सदस्य अभय वशिष्ठ ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को संगीत से जोड़ना है।

बैठक में सचिव गोपी गोस्वामी, संजय गोस्वामी, रवि शर्मा, निखिल भारद्वाज, विश्वनाथ गोस्वामी, श्रीनाथ गोस्वामी, मनीष शर्मा, मनोज शर्मा, सौरभ कुलश्रेष्ठ और गौर सुंदर विश्वास मौजूद रहे।

शटर तोड़ कर चोरी करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मगोर्रा पुलिस ने दुकान की शटर तोड़ कर चोरी करने वाले चोर को चोरी के माल और चोरी करने में प्रयोग किए जाने वाले उपकरणों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सिंचाई विभाग के ऑफिस के समीप से दुकान की शटर तोड़ कर चोरी करने वाले अभियुक्त नगला नारायण सिंह कोसीखुर्द निवासी अजय सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से लोहे का सब्बल, सरिया का टुकड़ा और चोरी किए 64000 रुपये बरामद किए हैं।

गांजा तस्कर के घर पुलिस की दबिश

यूनिक समय,मथुरा। सुरीर पुलिस ने दबिश देकर एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1.444 किलो ग्राम गांजा बरामद किया है। सुरीर थाना प्रभारी अरुण कुमार को इस तरह की सूचना मिली रही थी कि सुरीर बिजऊमें सोनू गांजे की बिक्री कर रहा है। इस सूचना के आधार पर थाना प्रभारी ने पुलिस टीम के साथ उसके मकान पर दबिश दी। दबिश के दौरान तलाशी में वहां 1.444 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने उसके खिलाफ एंडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार सोनू पर आधा दर्जन अपराधिक मामले हैं।

जन्माष्टमी से पहले रोशनी से नहाएंगे मथुरा–वृंदावन

आधी रात नगर आयुक्त ने परखी प्रकाश व्यवस्था

बंद मिली लाइटें तत्काल दुरुस्त कराने के दिए निर्देश

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव से पहले रात को निरीक्षण करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज, अपर नगर आयुक्त सौरभ

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से पहले मथुरा–वृंदावन को रोशनी और सजावट से जगमगाने की तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों और धार्मिक स्थलों को आकर्षक लाइटों से सजाया जा रहा है। व्यवस्थाओं की हकीकत परखने के लिए नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने देर रात अधिकारियों के साथ मथुरा और वृंदावन के प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया। इस दौरान जहां कुछ स्थानों पर लाइटें बंद मिलीं, वहीं अधूरे कार्यों को देखकर उन्होंने अधिकारियों को जन्माष्टमी से पहले हर हाल में पूरा कराने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने निरीक्षण की शुरुआत टाउनशिप मार्ग से की। इसके बाद टैंक चौराहा, मछली फाटक पुल, भारतीय स्टेट बैंक चौराहा, नया बस अड्डा, बीएसए मार्ग और भूतेश्वर तिराहे की प्रकाश व्यवस्था देखी। वहीं भूतेश्वर से श्रीकृष्ण जन्मभूमि द्वार, मसानी और बिरला मंदिर होते हुए वृंदावन तक सजावटी रोशनी का जायजा लिया गया। मछली फाटक पुल पर निरीक्षण के दौरान तिरंगा और मोर आकृति वाली कुछ लाइटें बंद मिलीं। नगर आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए इन्हें तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए। भूतेश्वर क्षेत्र में तिरंगा रोशनी और दीवारों पर की जा रही सजावट का काम भी जल्द पूरा कराने को कहा गया। नगर आयुक्त ने पानीगांव मार्ग, परिक्रमा मार्ग, 100 फुटा तिराहा, पापड़ी चौराहा, प्रेम मंदिर, इस्कॉन मंदिर, रमणरेती और जादौन पार्किंग क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था का निरीक्षण किया। रमणरेती से बिहारीजी क्षेत्र तक पेड़ों पर रंग–बिरंगी रोशनी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, पागल बाबा तिराहे से पवन हंस हेलीपैड तक अस्थायी प्रकाश व्यवस्था भी कराई जाएगी। नगर आयुक्त ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को प्रमुख मार्गों पर लगी सभी लाइटों की जांच कराने और खराब लाइटों को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी से पहले रोशनी और सौंदर्यीकरण से जुड़े सभी कार्य पूरे हो जाने चाहिए।

पीजी के कमरे में फंदे पर लटका मिला छात्र का शव

यूनिक समय, गोवर्धन। जयपुर ग्रामीण के चंदवाजी थाना क्षेत्र स्थित निम्स विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले 20 वर्षीय छात्र मोहित सैनी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मोहित गोवर्धन क्षेत्र का रहने वाला था और निम्स विश्वविद्यालय से सीपीटी की पढ़ाई कर रहा था।

पढ़ाई के लिए वह विश्वविद्यालय के पास स्थित सनराइज पीजी में किराए के कमरे में रहता था।

परिजनों के अनुसार, 26 अगस्त की रात उन्हें सूचना मिली कि मोहित ने अपने कमरे में फंदा लगा लिया है। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। मृतक के दादा हरस्वरूप सैनी ने पोते की मौत को संदिग्ध बताते हुए चंदवाजी थाने में लिखित शिकायत दी है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। परिजनों का कहना है कि मोहित की मौत के पीछे की वास्तविक वजह सामने आनी चाहिए।

दादा ने पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग उठाई

पुलिस ने शिकायत के आधार पर अकाल मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चांदवाजी थानाधिकारी निरीक्षक राजबीर सिंह स्वयं मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है और घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकेगी। जांच के दौरान छात्र के कमरे, उसके आसपास की परिस्थितियों और घटना से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मोहित की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

26 किलो 728 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, कोसीकलां। स्थानीय पुलिस और आबकारी टीम ने संयुक्त रुप से कार्रवाई करके एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 26 किलो 728 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस और आबकारी टीम नशे का कारोबार करने वालों और हरियाणा से होने वाली शराब तस्करी को रोकने के लिए चेकिंग कर रहे थे। सीओ छाता भूषण वर्मा भी इस दौरान वहां पहुंच गए। टीम को इस तरह की जानकारी मिली की रेलवे लाइन मजार की ओर से एक गांजा तस्कर हाइवे की ओर आने वाला है। इस सूचना पर संयुक्त टीम ने कार्रवाई करके एनएच 19 पर दिल्ली से मथुरा जाने वाले रास्ते पर एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 26, 728 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त मूलरूप से ग्राम पारसोली नौहझील का रहने वाला विपिन है। विपिन वर्तमान में टाउनशिप राज सिटी कॉलोनी थाना हाइवे है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवीाई की है।

सड़क दुर्घटना में घायल तीन लोगों की हुई मौत

यूनिक, समय, मथुरा। जनपद में बीती रात दुर्घटना में घायल हुए तीन लोगों ने इलाज के दौरान हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। तीनों परिवारों में शोक का माहौल है।

बताया गया कि थाना छाता के गांव सेमरी निवासी रूप सिंह(42) बीती रात बाइक से छाता से गांव के लिए लौट रहा था। हाईवे पर सैमरी रेलवे लाइन के फ्लाईओवर के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक वाहन को मौके से भगा ले गया। गंभीर घायल रुप सिंह को मौके पर पहुंची पुलिस ने केडी मेडिकल कालेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां देर रात रुप सिंह की मौत हो गई। परिवार के लोगों को जब उसकी मौत का पता लगा तो वहां कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गांव दौताना निवासी रफीक (56)10 अगस्त को कोसीकलां बाजार जाने के लिए वह गांव में सड़क किनारे खड़े हुए थे। इसी बीच तेज गति से आती बाइक ने उन्हें टक्कर मार कर घायल कर दिया था। रफीक को इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उसकी हालत में सुधार न होने पर इलाज के लिए हायर सेंटर ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान बीती रात उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम

इसी तरह थाना राया के गांव जोगपुरा निवासी विनय चौधरी (35) 27 अगस्त की देर सायं बाइक से मथुरा से गांव के लिए लौट रहा था। मथुरा– राया मार्ग पर मंडी समिति के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में विनय चौधरी बुरी तरह से घायल हो गया।

उसका एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

महंत राजू दास के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

महंत राजूदास का पुतला दहन करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। अयोध्या के हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास के खिलाफ रविवार को कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने होली गेट चौराहे पर महंत राजू दास का पुतला फूंका और नारेबाजी की। प्रदर्शन कांग्रेस प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र टिप्पणी किए जाने के विरोध में किया गया।

सुबह कांग्रेस कार्यकर्ता होली गेट पहुंचे। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि एक बहस के दौरान महंत राजू दास ने कुंवर सिंह निषाद के लिए अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया। इससे कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक मंचों पर भाषा की मर्यादा बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कथित टिप्पणी को सार्वजनिक मर्यादा के विपरीत बताते हुए प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई की मांग की। पुतला दहन के दौरान कुछ समय के लिए होली गेट क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में प्रदर्शन शांतिपूर्वक समाप्त हो गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे लोकतांत्रिक तरीके से सार्वजनिक मर्यादा के पक्ष में आवाज उठाते रहेंगे।

कुंवर सिंह निषाद पर कथित टिप्पणी को लेकर जताया विरोध

होली गेट पर पुतला फूंककर कार्यकर्ताओं ने की नारेबाजी

खुले नाले में गिरा सांड जेसीबी से सुरक्षित निकाला

जेसीबी से सांड को निकलवाते लोग।

यूनिक समय, मथुरा। मंडी चौराहा के पास रविवार सुबह एक बेसहारा सांड खुले नाले में गिर गया। घटना करीब 11 बजे की बताई जा रही है। सांड के नाले में गिरने की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग और कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। नाला गहरा होने के कारण लोगों को उसे बाहर निकालने में परेशानी हुई।

इसके बाद जेसीबी की मदद से बचाव अभियान शुरू किया गया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद सांड को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा रही। राहत की बात रही कि सांड को किसी तरह की गंभीर चोट नहीं आई।

मंडी चौराहा के पास करीब एक घंटे चला बचाव अभियान

स्थानीय निवासी कालीचरण ने कहा कि खुले नाले हादसों को न्योता दे रहे हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी नजदीक है और इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा पहुंचेंगे।

ऐसे में खुले नालों के कारण दुर्घटना की आशंका बढ़ सकती है। लोगों ने नगर निगम से शहर के सभी खुले नालों को तत्काल ढकने और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

हत्या के प्रयास में दो गिरफ्तार, बाल अपचारी हिरासत में

यूनिक समय, मथुरा। जैंत पुलिस ने हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस मामले एक बाल अपचारी को भी हिरासत में लिया है। थाना जैंत के गांव भदाल में हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे मुकेश, चंदन और एक बाल अपचारी वांछित चल रहा था। पुलिस ने भदाल रोड पर स्थित शराब ठेके के समीप से दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बाल अपचारी को भी हिरासत में लिया है।

गोवर्धन में चलते लोडिंग टेंपो में लगी भीषण आग

यूनिक समय, गोवर्धन। तहसील क्षेत्र में एकता गोशाला के पास रविवार को चलते लोडिंग टेंपो में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के दौरान चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टेंपो सड़क पर जा रहा था, तभी अचानक उसमें आग की लपटें उठने लगीं। आग लगते ही चालक ने वाहन रोकने का प्रयास किया और तत्काल उससे बाहर कूद गया। इसके बाद उसने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें तेज होने के कारण सफल नहीं हो सका।

कुछ ही देर में टेंपो पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर मीडियाकर्मी पहुंचे, लेकिन तब तक चालक वहां से जा चुका था। बताया गया कि चालक संभवतः घटना की जानकारी देने या अपने घर जाने के लिए मौके से निकल गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है।

जन्माष्टमी की आहट, कृष्णमय हुई मथुरा की गलियां

दमकने लगी कान्हा की नगरी: मथुरा में कान्हा के जन्मोत्सव को लेकर उल्लास छाने लगा है। चार सितंबर को होने वाले आयोजन के लिए हर ओर तैयारी चल रही है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भी सजावट का काम चल रहा है। रविवार को बिजली झालर और सजावट से दमकती जन्मस्थान की आभा, हर किसी को आकर्षित करती रही।

हाईवे से चौराहों तक जगमगाती रोशनी, दीवारों पर सजी कान्हा की लीलाएं

सजावट देखने उमड़ रहे लोग, शहर का बढ़ा आकर्षण

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर कान्हा की नगरी मथुरा–वृंदावन दुल्हन की तरह सजने लगी है। जन्माष्टमी से पहले शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों और दीवारों पर भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी आकर्षक चित्रकारी और रंग–बिरंगी रोशनी की सजावट की जा रही है। मथुरा–वृंदावन राजमार्ग से लेकर शहर के विभिन्न हिस्सों तक हो रही विद्युत सजावट से वातावरण भक्तिमय नजर आने लगा है।

शाम ढलते ही रंगीन रोशनी से जगमगाते मार्ग और कृष्ण की लीलाओं को दर्शाती चित्रकारी लोगों का ध्यान खींच रही है। देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए शहर के प्रमुख प्रवेश मार्गों, चौराहों और धार्मिक स्थलों के आसपास सजावट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। टाउनशिप चौराहा, गोवर्धन चौराहा और नया बस अड्डा से टाउनशिप मार्ग तक सड़क किनारे पेड़ों और दीवारों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। दीवारों पर बाल स्वरूप कान्हा, बांसुरी बजाते श्रीकृष्ण, राधा–कृष्ण और उनकी विभिन्न लीलाओं से जुड़े चित्र बनाए जा रहे हैं।

रात में जगमगा रहे प्रमुख मार्ग और चौराहे

वृंदावन में भी जन्माष्टमी को लेकर प्रमुख मार्गों और चौराहों की सजावट की जा रही है। मसानी चौराहा, गोविंद नगर और श्रीकृष्ण जन्मस्थान क्षेत्र में आकर्षक विद्युत सजावट शहर की सुंदरता बढ़ा रही है।

रंग–बिरंगी रोशनी और धार्मिक चित्रों को देखने के लिए स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालु भी रुक रहे हैं। लोग सजावट के बीच तस्वीरें और छायाचित्र ले रहे हैं। जन्माष्टमी नजदीक आने के साथ दिन–रात कर्मचारी और कारीगर सजावट को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

उठावनी

स्व. श्री ताराचन्द मित्तल

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्य पिताजी श्री ताराचन्द जी मित्तल पुत्र स्व. श्री द्वारका प्रसाद मित्तल का गोलोकवास दिनांक 30.08.2026 को हो गया है। जिनकी उठावनी दिनांक 31.08.2026 सोमवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक अग्रवाटिका, सरस्वती कुण्ड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

सुधा रानी (पत्नी) नीरू–रिंकेश मित्तल (पुत्र–पुत्रवधू)
सोनिका–सन्तोष जी, राखी–हिमांशु जी (पुत्री–दामाद)
चिन्मय,मान्या (पौत्र–पौत्री) नीव, रेया, अदिव (प्रधेवता–प्रधेवती)
किशन गोपाल अग्रवाल (भाई) राजन, आशुतोष (भतीजे)
अंकित–सुरभि (धेवता–धेवतावधु) पायल–प्रणव (धेवती–दामाद)
विधि, ध्रुविन, भाव्या (धेवते–धेवती)

प्रतिष्ठान
- सुधा मैडीकोज, कृष्णा नगर, मथुरा
- रमनलाल द्वारका प्रसाद, मथुरा

ससुराल पक्ष:– श्यामलाल बैकुण्ठनाथ साड़ी वाले, आगरा
डॉ. सुरेश चन्द्र, मुजफ्फरनगर (चचिया ससुर) विनय प्रकाश (साले)
मुकुंद, आनन्द, संजीव, सचिन, कपिल, पीयूष (भतीजे)

भूतेश्वर स्टेशन पर पांच ट्रेनों का ठहराव अस्थायी रूप से निरस्त

नई अप मुख्य लाइन बिछाने के चलते छह से 30 सितंबर तक एक दिशा में नहीं रुकेंगी ट्रेनें, यात्रियों को होगी असुविधा

यूनिक समय, मथुरा। भूतेश्वर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या–1 को हटाकर नई अप मुख्य लाइन बिछाने का काम शुरू किया जा रहा है। रेलवे अवसंरचना के विकास और निर्माण कार्य के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए भूतेश्वर स्टेशन पर पांच ट्रेनों का एक दिशा में ठहराव अस्थायी रूप से निरस्त किया गया है। यह व्यवस्था छह सितंबर से 30 सितंबर तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान इन ट्रेनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को स्टेशन पर ठहराव नहीं मिलने के कारण अपनी यात्रा की योजना उसी के अनुसार बनानी होगी। रेलवे के अनुसार, भूतेश्वर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या–1 को हटाकर नई अप मुख्य लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान किसी तरह की परेशानी या सुरक्षा संबंधी स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए कुछ ट्रेनों के ठहराव में अस्थायी बदलाव किया गया है। रेलवे का कहना है कि यह व्यवस्था केवल निर्माण कार्य की अवधि तक लागू रहेगी। रेलवे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 64958 पलवल–आगरा कैंट, ट्रेन संख्या 64074 नई दिल्ली–धौलपुर, ट्रेन संख्या 64016 शकूर बस्ती–मथुरा जंक्शन, ट्रेन संख्या 64904 गाजियाबाद–मथुरा जंक्शन और ट्रेन संख्या 64910 शकूर बस्ती–मथुरा जंक्शन का भूतेश्वर रेलवे स्टेशन पर एक दिशा में ठहराव छह से 30 सितंबर तक अस्थायी रूप से निरस्त रहेगा। निर्माण कार्य के चलते ट्रेनों के संचालन और ठहराव में बदलाव होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भूतेश्वर स्टेशन पर रेल सुविधाओं में सुधार होगा और नई अप मुख्य लाइन बिछने से रेल संचालन को भी बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

श्याम मखमली हिंडोले में विराजे राजाधिराज, भक्तों को दिए दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। पुष्टिमार्ग संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में ठाकुर राजाधिराज श्याम मखमली हिंडोले में विराजमान हुए और भक्तों को दर्शन दिए। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि मंदिर में होने वाले सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी वागीश कुमार द्वारा किया जाता है।

इसी परंपरा के तहत राजाधिराज श्याम मखमली हिंडोले में विराजमान हुए। हिंडोले की साज–सज्जा और राजाधिराज मनोहारी स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु भाव–विभोर नजर आए।

मीडिया प्रभारी ने बताया कि सोमवार को सायंकाल 5:10 बजे से 5:40 बजे तक राजाधिराज हिंडोला विजय उत्सव मनाया जाएगा।

श्याम मखमली हिंडोले में विराजमान राजाधिराज।

संस्कृत सप्ताह में घर–घर तुलसी और गीता का वितरण

घर–घर तुलसी, गीता और संस्कृत पुस्तिका का वितरण

संस्कृत को जनभाषा बनाने के प्रयासों पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। श्रावण पूर्णिमा और विश्व संस्कृत दिवस पर संस्कृत भारती द्वारा संस्कृत सप्ताह के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में घर–घर संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार के साथ तुलसी पौधे, श्रीमद् भागवत गीता और 'संस्कृत वदतु' पुस्तिका का वितरण किया गया।

गोपाल गली स्थित गोपाल मंदिर में अभियान का शुभारंभ गोपाल वैष्णव पीठाधीश्वर यदुनंदन ने किया। इस दौरान संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य आचार्य कुंज किशोर चतुर्वेदी, आचार्य मकरंद चतुर्वेदी, ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी सहित अन्य विद्वानों को तुलसी पौधा, गीता और पुस्तिका भेंट की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक और पौराणिक मंगलाचरण से हुआ। यदुनंदन महाराज ने संस्कृत को जनसाधारण की भाषा बनाने के प्रयासों की सराहना की। जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने बताया कि अभियान के तहत घरों पर संस्कृत के स्टीकर, बैनर और पत्रक भी लगाए जा रहे हैं। कार्यक्रम संयोजक रामदास चतुर्वेदी शास्त्री ने संचालन किया।

जन्माष्टमी पर स्वच्छता को लेकर 'लल्ला आ रहो है' अभियान तेज

यूनिक समय, मथुरा। जन्माष्टमी की तैयारियों के तहत नगर निगम मथुरा–वृंदावन और प्रोजेक्ट मथुरा की ओर से संयुक्त रूप से चलाए जा रहे 'लल्ला आ रहो है' अभियान को तेज कर दिया गया है। अभियान के तहत प्रमुख प्रवेश स्थलों और भंडारा आयोजन क्षेत्रों में स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

अभियान के प्रथम चरण में मथुरा रेलवे स्टेशन और नए बस स्टैंड पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं से संवाद कर उन्हें 'स्वच्छ ब्रज' का संकल्प दिलाया गया। भंडारा संचालकों से नगर निगम से समय पर अनुमति लेने की अपील की जा रही है। साथ ही भंडारा स्थलों पर पर्याप्त कूड़ेदान रखने, प्लास्टिक के गिलास, प्लेट, पानी के पाउच और सजावटी सामग्री का इस्तेमाल नहीं करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

जन्माष्टमी के दौरान रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और नगर निगम के प्रमुख पार्किंग स्थलों पर विशेष स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

रक्षाबंधन की भीड़ छंटी, बस अड्डों पर पसरा सन्नाटा

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए घरों से निकली बाहनों की भीड़ जहां त्योहार के दिन रोडवेज बसों और रेलवे स्टेशनों पर दिखाई दी, वहीं निशुल्क यात्रा के आखिरी दिन और रविवार को भी तस्वीर पूरी तरह बदली सी लगी। प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं को रोडवेज बसों में तीन दिन तक निशुल्क यात्रा की सुविधा दी गई थी। शनिवार को इसका अंतिम दिन था, लेकिन पड़वा पड़ने के कारण यात्रियों की संख्या कम रहीं, लेकिन दूसरे दिन भी रविवार को पुराने और नए बस अड्डे पर दोपहर बाद से शाम तक कई बसें सवारियों के इंतजार में खड़ी नजर आईं। रक्षाबंधन के दिन बस अड्डों पर सुबह से ही यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। बस आते ही सीट पाने के लिए यात्रियों में होड़ मच रही थी। कई जगह खिड़की से चढ़ने और बस के दरवाजे पर धक्का–मुक्की तक की स्थिति बन रही थी। इसके विपरीत शनिवार,रविवार को बस अड्डों, रेलवे जंक्शनों पर का माहौल शांत दिखाई दिया। रोडवेज कर्मचारियों के अनुसार, रक्षाबंधन के दिन और उसके आसपास यात्रियों की संख्या अधिक रही, लेकिन निशुल्क यात्रा के अंतिम दिन अचानक भीड़ कम हो गई। शनिवार को पड़वा होने के कारण लोगों ने यात्रा से परहेज किया।

बस अड्डों पर खाली पड़ी बसें।

निशुल्क यात्रा खत्म होते ही यात्री संख्या में आई कमी

पिछले वर्ष रक्षाबंधन के आसपास जिस तरह बस अड्डों पर यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली थी, इस बार अंतिम दिन वैसा नजारा नहीं दिखाई दिया। रविवार को भी पुराने और नए बस अड्डे पर यात्रियों की संख्या कम ही रही। रोडवेज के साथ रेलवे स्टेशन पर भी इसका असर नजर आया। मथुरा जंक्शन और छावनी रेलवे स्टेशन पर सामान्य दिनों की तुलना में यात्रियों की आवाजाही कम दिखाई दी। प्लेटफार्मों पर भीड़ कम होने से यात्रियों को ट्रेन पकड़ने में आसानी रही।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

गणेश चतुर्थी से पहले कान्हा की नगरी में मूर्तिकारों की तैयारी तेज

अंबाखार में दिन-रात गढ़ी जा रहीं गणेश प्रतिमाएं

यूपी के कई जिलों समेत राजस्थान हरियाणा और दिल्ली से मिले ऑर्डर

ऑनलाइन भी बढ़ी मांग, अब तक 100 से अधिक प्रतिमाएं बिकीं

गणेश चतुर्थी को लेकर शहर के अंतापाड़ा स्थित अंबाखार में गणेश प्रतिमाओं को तैयार करते कारीगर ।

यूनिक समय, मथुरा। गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर कान्हा की नगरी में तैयारियां तेज हो गई हैं। पर्व में अब कुछ ही दिन शेष हैं, ऐसे में शहर के अंबाखार क्षेत्र में मूर्तिकार गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में दिन-रात जुटे हुए हैं। प्रतिमाओं की रंगाई-पुताई से लेकर सजावट तक का काम तेजी से चल रहा है। श्रद्धालुओं और विभिन्न आयोजकों की ओर से गणेश प्रतिमाओं के ऑर्डर भी लगातार मिलने शुरू हो गए हैं।

अंतापाड़ा स्थित अंबाखार क्षेत्र में इन दिनों गणेश प्रतिमाओं के निर्माण को लेकर विशेष चहल-पहल दिखाई दे रही है। मूर्तिकार मिट्‌टी और अन्य सामग्री से प्रतिमाओं को आकार देने के बाद उनकी रंगाई-पुताई और आकर्षक सजावट में जुटे हैं। कारीगरों के अनुसार, इस बार अलग-अलग आकार और डिजाइन की प्रतिमाओं की मांग है। घरों में स्थापना के लिए छोटी प्रतिमाओं के साथ ही सार्वजनिक आयोजनों के लिए बड़ी प्रतिमाएं भी तैयार की जा रही हैं।

कला केंद्र के पेंटर रोहित ने बताया कि गणेश चतुर्थी को लेकर प्रतिमाओं के ऑर्डर आना शुरू हो गए हैं। समय पर ऑर्डर पूरा करने के लिए काम की रफ्तार बढ़ा दी गई है। उनके साथ इमरान और अनर भी प्रतिमाओं को तैयार करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि मथुरा के अलावा उत्तर प्रदेश के कई जिलों से ऑर्डर मिले हैं। बदायूं, अलीगढ़ और हाथरस के साथ ही राजस्थान के भरतपुर और धौलपुर, दिल्ली से भी गणेश प्रतिमाओं के ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। रोहित के अनुसार, गणेश प्रतिमाओं की ऑनलाइन बिक्री भी की जा रही है। अब तक 100 से अधिक प्रतिमाएं ऑनलाइन बेची जा चुकी हैं। इससे मूर्तिकारों को स्थानीय बाजार के साथ दूसरे शहरों से भी ग्राहक मिल रहे हैं।

50 रुपये से शुरू, 20 हजार तक की प्रतिमाएं

मूर्तिकारों के मुताबिक, बाजार में गणेश जी की प्रतिमाएं छोटी से लेकर बड़ी तक विभिन्न आकारों में उपलब्ध हैं। इनकी कीमत करीब 50 रुपये से शुरू होकर 20 हजार रुपये तक है। प्रतिमा का आकार, डिजाइन, सजावट और निर्माण में लगने वाली सामग्री के आधार पर कीमत तय की जा रही है। गणेश चतुर्थी नजदीक आने के साथ प्रतिमाओं की मांग और बढ़ने की उम्मीद है। ऐसे में मूर्तिकार समय पर ऑर्डर पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। मथुरा में घरों के अलावा विभिन्न स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की जाती है। पर्व को लेकर शहर में बढ़ती हलचल के बीच मूर्तिकारों के काम में आई तेजी भी बाजार में उत्साह का संकेत दे रही है।

हॉकी में श्रीजी बाबा का दबदबा फुटबॉल में भी दिखा दमखम

श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित खेल प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ी और आयोजक आदि।

यूनिक समय, मथुरा। विद्या भारती पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के तत्वावधान में श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित चार दिवसीय 38 वीं क्षेत्रीय हॉकी और फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन रविवार को विभिन्न आयु वर्गों में हॉकी और फुटबॉल प्रतियोगिता खेली गई।

हॉकी अंडर-14 बालक वर्ग में नोएडा और पूरनपुर पीलीभीत की टीमों के बीच हुए पहले मुकाबले में नोएडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत दर्ज की। वहीं अंडर-17 बालिका वर्ग में नोएडा और रतनलाल फूल कटोरी देवी स्कूल, मथुरा की टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें नोएडा की टीम ने 3-0 से विजय हासिल की। हॉकी के तीसरे मुकाबले में अंडर-14 बालक वर्ग में नोएडा और मेजबान

हॉकी में श्रीजी बाबा स्कूल की 4-0 से जीत

श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर की टीमें आमने-सामने रहीं। मेजबान टीम ने 4-0 से शानदार जीत दर्ज की। हॉकी का चौथा मैच अंडर-19 बालक वर्ग में श्रीजी बाबा स्कूल और पीलीभीत की टीमों के मध्य खेला गया, जिसमें श्रीजी बाबा स्कूल की टीम 6-0 से विजय रही।

वहीं अंडर-14 बालक वर्ग में श्रीजी बाबा स्कूल और पूरनपुर की टीमों के मध्य हुए मुकाबले में मेजबान टीम ने 4-0 से विजयी होकर गोल्ड मेडल जीता। फुटबॉल के मुकाबलों में भी खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। अंडर-19 बालक वर्ग के पहले मुकाबले में मेजबान श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर और नोएडा की टीमों के बीच हुए मैच में मेजबान टीम ने 4-0 से जीत दर्ज की। इसी आयु वर्ग में अलीगढ़ और वृंदावन की टीमों के बीच हुए मुकाबले में वृंदावन टीम ने 2-0 से विजय हुई।

अंडर-14 बालक वर्ग में शांतिपुरी और नोएडा के बीच खेले शान्तिपुरी की टीम ने 3-0 से जीत दर्ज की। दूसरे दिन अंडर-19 बालक वर्ग में श्रीजी बाबा स्कूल और रुड़की की टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं।

ड्रॉ घोषित किया गया। अण्डर-14 बालक वर्ग में नैनीताल और एटा की टीमों के मध्य हुए मुकाबले में नैनीताल की टीम 2-1 से आगे रही। वहीं अंडर-19 बालक वर्ग में नोएडा और अलीगढ़ की टीमों के मध्य खेले गए मैच में नोएडा की टीम 2-0 से विजयी रही।

प्रतियोगिता में विद्या भारती पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के संगठन मंत्री डोमेश्वर साहू, ब्रज प्रांत संगठन मन्त्री हरिशंकर, सरस्वती शिक्षा परिषद मथुरा के मंत्री डॉ० आरपी सिंह, उपाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार बंसल, प्रबन्धक तेजपाल सिंह, प्रधानाचार्य हरेन्द्र कुमार सारस्वत,संतोषी दुबे, प्रेमशंकर,रवीन्द्र मोहन, नवीन रावत,प्रशान्त कुमार,योगेन्द्र यादव, दरेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह,हरीश सारस्वत, धर्मेन्द्र बंसल, विजय यादव, रामसागर मिश्रा, नवीन वार्ष्णेय, राघवेन्द्र सिंह,अर्चना शर्मा, गोकुलेश शर्मा, गिरीश तोमर, नीरज सिंह, सुनील कुमार पटेल, धीरेन्द्र सिंह, ऋचा गर्ग, इन्द्रा गौतम, शिवानी शर्मा सहित मौजूद रहे।

खेलों से ही युवाओं का होगा सर्वांगीण विकास: राज्यपाल

राष्ट्रीय खेल दिवस पर अहमदाबाद में खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का किया सम्मान

प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ी को पुरस्कृत करते राज्यपाल आचार्य देवव्रत आदि।

यूनिक समय, अहमदाबाद। राष्ट्रीय खेल दिवस पर स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ गुजरात की ओर से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात के सहयोग से अहमदाबाद में वार्षिक पुरस्कार-सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अध्यक्षता राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने की। राज्यसभा के पूर्व सांसद नरहरि अमीन भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल बेहद जरूरी हैं। उन्होंने मोबाइल और सामाजिक माध्यमों की बढ़ती लत पर चिंता जताते हुए कहा कि बच्चों की ऊर्जा को सही दिशा देने का सबसे प्रभावी माध्यम खेल का मैदान है। खेल बच्चों को अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना सिखाते हैं।

उन्होंने कुरुक्षेत्र गुरुकुल के अनुभव साझा करते हुए बताया कि अनुशासन और खेल प्रशिक्षण के जरिए सामान्य प्रतिभा वाले बच्चे भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बच्चों की खेल प्रतिभा की पहचान कम उम्र से कर वैज्ञानिक तरीके से प्रशिक्षण देने पर जोर दिया। राज्यपाल ने बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक कृषि को अपनाने और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि खेल, संस्कार और स्वस्थ जीवनशैली मिलकर सशक्त भारत की नींव तैयार कर सकते हैं। पूर्व सांसद नरहरि अमीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलों के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए छात्रवृत्ति और विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं का भी उल्लेख किया। अहमदाबाद के अत्याधुनिक वीर सावरकर खेल परिसर जैसी सुविधाओं से गुजरात के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिल रहे हैं। समारोह में गुजरात के खेल क्षेत्र में लंबे समय से योगदान दे रहे मयूर पटेल और जयप्रकाशभाई पटेल को प्रतिष्ठित जीवनगौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मयूर पटेल विश्वविख्यात शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद के प्रशिक्षक रह चुके हैं, जबकि जयप्रकाशभाई पटेल ने गुजरात क्रिकेट में अनेक रणजी खिलाड़ियों को तैयार किया है। इसके अलावा 17 से अधिक खिलाड़ियों और खेल जगत से जुड़े व्यक्तित्वों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जन्माष्टमी से पहले 250 स्वयंसेवकों ने संभाली स्वच्छता की कमान

स्वंयसेवकों ने संभाली स्वच्छता की कमान।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए शहर को स्वच्छ रखने की मुहिम तेज हो गई है। 'ब्रज वैभव अभियान' के तहत हार्टफुलनेस संस्था के करीब 250 स्वयंसेवकों ने रविवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया। स्वयंसेवकों ने सफाई करने के साथ स्थानीय लोगों, दुकानदारों और श्रद्धालुओं को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अभियान में मथुरा के अलावा कानपुर, आगरा, अलीगढ़, दिल्ली, नोएडा और मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए स्वयंसेवकों ने गेट नंबर-3, गोविंद नगर, पोतरा कुंड, श्रीकृष्ण जन्मस्थान मुख्य द्वार, डीग गेट, मसानी और खेरता समेत आसपास के क्षेत्रों में सफाई की।

स्वच्छता अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने स्थानीय लोगों और दुकानदारों से संवाद किया। उन्होंने

श्रीकृष्ण जन्मस्थान और आसपास चला अभियान

लोगों से कूड़ा सड़क या सार्वजनिक स्थानों पर न फेंकने और डस्टबिन का इस्तेमाल करने की अपील की। हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' का संदेश देते हुए जन्माष्टमी के दौरान भी स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग मांगा गया।

हार्टफुलनेस के मथुरा समन्वयक निशांत शर्मा ने बताया कि जन्माष्टमी पर्व के दौरान संस्था के करीब 200 स्वयंसेवक भंडारों और प्रमुख स्थानों पर तैनात रहेंगे। हार्टफुलनेस के उत्तर प्रदेश समन्वयक अनुपम अग्रवाल ने स्थानीय लोगों और दुकानदारों से डस्टबिन का प्रयोग करने और ब्रज की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि ब्रज की स्वच्छता किसी एक संस्था या व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस मौके पर सुरेंद्र शर्मा, रमेश वर्मा, ऋषिरंजन, एसपी सिंह, सुरेश पाठक, मनीष शुक्ला, प्रमोद शुक्ला, अभिषेक गुप्ता, जेएन वर्मा, उषा अग्रवाल, सुधा आर्या, पुष्पा लता और ज्योति सहित अनेक स्वयंसेवक मौजूद रहे।

शोर-शराबे से दूर, हरियाली और ठंडी हवाओं के बीच बिताएं यादगार पल

बेंगलुरु के करीब छिपे हैं सुकून और हरियाली से भरपूर स्थल

यूनिक समय, मथुरा। जब मन भागदौड़ से थकने लगे और ट्रैफिक के शोर से राहत की तलाश हो, तब दिल करता है किसी शांत और प्रकृति से भरपूर जगह पर कुछ सुकून भरे पल बिताने का। ऐसे में बेंगलुरु के आसपास कई ऐसी हसीन मंजलें हैं जो आज भी कम भीड़ वाली हैं, लेकिन अपनी खूबसूरती और शांति से मन मोह लेती हैं। ये जगहें नेचर लवर्स और वीकेंड ट्रैवलर्स के लिए परफेक्ट हैं।

अगुम्बे: बादलों के बीच एक ट्रेकिंग स्वर्ग- कर्नाटक के पश्चिमी घाटों में स्थित अगुम्बे एक शांत और हरियाली से घिरा इलाका है, जो मानसून के समय किसी स्वर्ग से कम नहीं लगता। यहां की ट्रैकिंग ट्रेल्स, झरने और सुरम्य सनसेट पॉइंट रोमांच और सुकून दोनों का अहसास कराते हैं। खास बात यह है कि यह जगह अभी टूरिस्ट मैप पर ज्यादा फेमस नहीं हुई है।

कब्बलादुर्गा: ऊंचाई से देखिए सुकून की दुनिया- अगर आप बेंगलुरु से कुछ ही दूरी पर शांति और सुंदरता से भरा कोई गांव तलाश रहे हैं, तो कब्बलादुर्गा आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है।

ऊंची पहाड़ियों से दिखने वाला नजारा और हरियाली से घिरी वादियां यहां का मुख्य आकर्षण हैं। मॉनसून और सर्दियों में यह जगह खासा खूबसूरत नजर आती है।

यरकौड: तमिलनाडु का मिनी हिल स्टेशन- तमिलनाडु का छोटा लेकिन बेहद दिलकश हिल स्टेशन यरकौड, कॉफी के बागानों, झीलों और ट्रैकिंग ट्रेल्स के लिए मशहूर है।

यहां का शांत वातावरण और ठंडी हवाएं इसे वीकेंड ट्रिप के लिए आदर्श बनाते हैं।

कम भीड़ और प्राकृतिक सुंदरता के कारण यह जगह परिवार या दोस्तों के साथ सुकून भरा समय बिताने के लिए बढ़िया विकल्प है। अगर आप भीड़-भाड़ से दूर एक शांत ब्रेक की तलाश में हैं, तो इन जगहों को अपनी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

चैटबॉट से ली सलाह पहुंचा सकती है अस्पताल

क्या एआई बिगाड़ रहा है मानसिक स्वास्थ्य?

यूनिक समय, मथुरा । तकनीक की दुनिया में एआई चैटबॉट्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है, लेकिन अब सवाल उठ रहा है कि क्या यह सेहत के लिए खतरा बन सकता है? हाल ही में मुंबई में एक 14 साल के बच्चे के केस ने इस चिंता को हवा दी है। बच्चे ने पेट दर्द की शिकायत के बाद एआई चैटबॉट से सलाह ली, जिसने उसे गैस्ट्रो समस्या बताकर तुरंत अस्पताल जाने की सलाह दी। अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि शारीरिक रूप से बच्चा पूरी तरह ठीक था। असल समस्या गंभीर एंग्जायटी अटैक की थी, जो स्कूल में चल रही बुलिंग का नतीजा था।

एआई से गलत डायग्नोसिस का खतराः मेडिकल एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह कोई अकेला मामला नहीं है। हाल के दिनों में कई ऐसे केस सामने आए हैं जिनमें मरीजों ने मेंटल हेल्थ के लिए एआई की मदद ली और गलत सलाह की वजह से हालात बिगड़ गए। एआई आपकी बात सुन सकता है, जवाब दे सकता है, लेकिन ना वह इंसानी भावनाएं समझ सकता है और ना ही आपको देख सकता है। यही वजह है कि कई बार चैटबॉट्स गंभीर मानसिक स्थितियों को सामान्य मान लेते हैं। जिम्मेदारी किसकी? एक्सपर्ट्स मानते हैं कि एआई चैटबॉट्स भले ही गोपनीयता और नॉन-जजमेंटल स्पेस दें, लेकिन यह इलाज नहीं है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट के अनुसार एआई टूल्स गंभीर मानसिक समस्याओं को अनदेखा कर सकते हैं और गलत सलाह दे सकते हैं। इससे न सिर्फ मानसिक सेहत पर असर पड़ता है बल्कि व्यक्ति की शारीरिक हालत भी बिगड़ सकती है। तकनीक जरूरी, लेकिन सीमाएं तय होंः अमेरिका में हुए एक सर्वे में सामने आया है कि 50% लोग एआई से थैरेपी जैसी बातचीत की उम्मीद करते हैं, लेकिन एक्सपर्ट चेताते हैं कि एआई टूल्स कभी भी इंसानी थैरेपिस्ट की जगह नहीं ले सकते। एआई कुछ हद तक मूड ट्रैकिंग या मोटिवेशन दे सकता है, लेकिन इलाज के लिए मानव विशेषज्ञ की जरूरत हमेशा बनी रहेगी।

खुद से करें सवाल, मिल सकता है सफलता का रास्ता

हर रात सिर्फ पांच मिनट का सेल्फ रिव्यू बदल सकता है आपकी जिंदगी

यूनिक समय, मथुरा। भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि ठहर कर दिनभर के अनुभवों पर नज़र डालना भी ज़रूरी है। विशेषज्ञों और दिग्गजों का मानना है कि दिन के अंत में केवल 5 मिनट का आत्म-चिंतन आपकी सोच, भावनाओं और निर्णयों को सकारात्मक दिशा दे सकता है। हर दिन हमारे लिए कुछ नया सीखने का अवसर होता है।

अगर हम अपने अनुभवों से नहीं सीखते, तो हम वही गलतियां दोहराते रहते हैं। सेल्फ रिव्यू का मकसद है खुद से ईमानदारी से सवाल करना और सुधार की दिशा में कदम बढ़ाना।

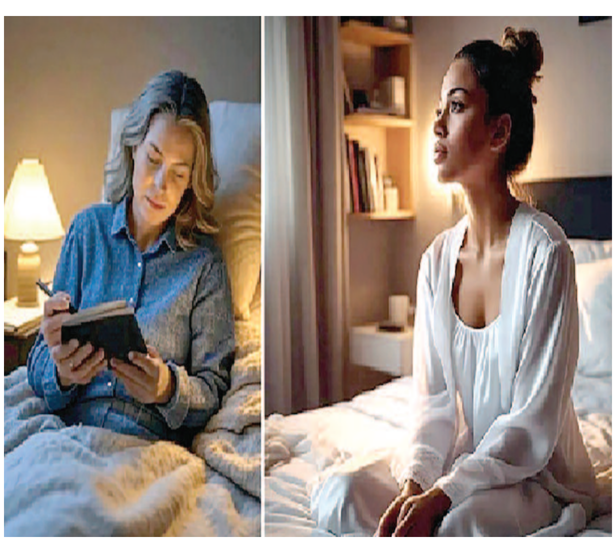

ऐसे करें सेल्फ रिव्यू की शुरुआत:

एक शांत जगह चुनें: सोने से पहले 5-10 मिनट खुद के लिए निकालें। तीन सवाल खुद से पूछें: क्या आज मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया? क्या कुछ ऐसा था जिसे बेहतर किया जा सकता था? क्या कोई आदत है जिसे मुझे बदलना चाहिए?

सोचें या डायरी में लिखें: चाहें तो विचारों को डायरी में उतारें। खुद को दोष न दें गलतियाँ स्वीकारें लेकिन कठोर न बनें। हर दिन 1% सुधार का लक्ष्य रखें।

दिग्गज भी मानते हैं इसका महत्व : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और क्रिकेटर विराट कोहली जैसे लोग भी सेल्फ रिव्यू को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं। विराट कोहली ने कहा था, "हर मैच के बाद मैं खुद से सवाल करता हूं कि और क्या बेहतर हो सकता था।"

ओवरथिंकिंग से बचें, आत्म-स्वीकृति बढ़ाएं: यह प्रक्रिया सोचने की शक्ति को बेहतर बनाती है, लेकिन ध्यान रखें कि यह आत्मग्लानि या बार-बार पछतावे के लिए नहीं है। बल्कि यह एक ऐसा अभ्यास है जो व्यक्ति को भावनात्मक रूप से मजबूत बनाता है और आत्मविश्वास को निखारता है।

खुद को जानने का सबसे सच्चा तरीका: जब आप दिन के अंत में खुद से मिलते हैं, तो वो मुलाकात दुनिया के किसी इंसान से ज्यादा सच्ची होती है। यह आदत आपकी अच्छाइयों की सराहना करना सिखाती है और कमियों से उबरने की प्रेरणा देती है।

छोटे सवाल, बड़े हल: 'क्या अच्छा किया?', 'कहां गलती हुई?', 'कल क्या सुधार लाऊं?' ये छोटे-छोटे सवाल आपके भीतर छिपे डर, भ्रम और पछतावे को धीरे-धीरे मिटा देते हैं। आप अपने भीतर की सच्चाई से जुड़ते हैं और असली शांति पाने की दिशा में कदम बढ़ाते हैं।

मिनटों में तैयार होगी हेल्दी रेसिपी

बारिश में घर पर बनाएं टेस्टी भल्ला पापड़ी चाट

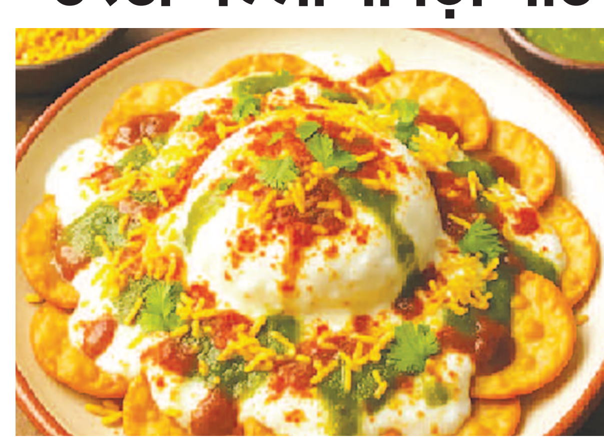

यूनिक समय, मथुरा । मानसून की रिमझिम फुहारों के बीच अगर कुछ चटपटा, टेस्टी और हेल्दी खाने का मन है, तो घर पर बनी भल्ला पापड़ी चाट एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। अक्सर लोग चाट को बाहर जाकर खाने का ही सोचते हैं, लेकिन बारिश के मौसम में बाहर का खाना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे में घर में ही मिनटों में बनने वाली ये भल्ला पापड़ी चाट ट्राई करें, जिसमें आपको मिलेगा स्वाद, सेहत और संतुष्टि का जबरदस्त तड़का।

ऐसे बनाएं मीठी चटनी: एक गिलास पानी में दो चम्मच अमचूर पाउडर डालकर उबालें। फिर उसमें एक चम्मच सौंठ, चार चम्मच चीनी (या गुड़), लाल मिर्च, नमक, भुना जीरा पाउडर और काली मिर्च डालें। थोड़ी देर उबालने के बाद चटनी तैयार हो जाएगी।

हरी चटनी ऐसे बनाएं: थोड़ा हरा धनिया, पुदीना, अदरक, दही, भुनी चने की दाल (या सत्तू), नमक, मिर्च और कुछ आइस क्यूब मिलाकर मिक्सी में पीस लें।

भल्ले बनाने का तरीका: एक कप मूंग दाल को 2-3 घंटे भिगोकर बिना पानी पीसें। अच्छे से फेंटें और छोटे-छोटे वड़े बनाकर तलें। तलने के बाद गर्म पानी में डालें और फिर फ्रिज में ठंडा कर लें। दही को फेंटकर उसमें थोड़ा मीठा मिलाएं।

प्लेट कैसे सजाएं: एक प्लेट में भल्ले रखें, ऊपर से दही डालें, फिर मीठी और हरी चटनी डालें। पापड़ी तोड़कर डालें, भुना जीरा, चाट मसाला और चाहें तो थोड़ी बूंदी डालें। नमक और मिर्च स्वाद अनुसार एडजस्ट करें।

महिलाओं में अक्सर होती है देरी से पहचान

हार्ट अटैक के लक्षण पुरुषों और महिलाओं में क्यों होते हैं अलग?

यूनिक समय, मथुरा । हाल के वर्षों में हार्ट अटैक की घटनाओं में तेजी से इजाफा देखने को मिला है, लेकिन एक रिसर्च में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि पुरुषों और महिलाओं में हार्ट अटैक के लक्षण समान नहीं होते।

यही वजह है कि समय रहते पहचान न होने से महिलाओं में खतरा और बढ़ जाता है।

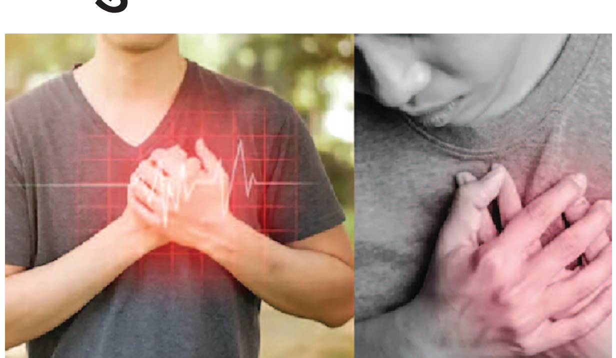

रिसर्च में हुआ खुलासा: महिलाओं में हार्ट डिजीज के मामले तेजी से बढे है टडी के मुताबिक, 3 से 13 प्रतिशत भारतीय महिलाएं कोरोनरी आर्टरी डिजीज से प्रभावित हैं। बीते दो दशकों में यह आंकड़ा करीब 300 प्रतिशत तक बढ़ चुका है।

पुरुषों में हार्ट अटैक के आम लक्षण: छाती में तेज दर्द या दबाव, सीने में बेचैनी और भारीपन, शरीर के ऊपरी हिस्से में दर्द (जैसे बाहों, गर्दन, पीठ में), सांस फूलना (डिस्पेनिया), बार-बार थकान या कमजोरी, खांसी या घरघराहट।

महिलाओं में हार्ट अटैक के संकेत अधिक सूक्ष्म: सांस की तकलीफ या अचानक चक्कर आना, मतली या उल्टी, जबड़े, पीठ या गर्दन में दर्द, ऊपरी पेट या निचली छाती में असहजता, अत्यधिक थकान, जो बिना मेहनत के भी हो, पसीना आना या बेचैनी।

कैसे करें हार्ट अटैक से बचाव? शरीर के संकेतों को नजरअंदाज न करें, नियमित रूप से ईसीजी, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और शुगर की जांच करवाएं, संतुलित और हेल्दी डाइट लें, रोजाना वॉक या योग जैसी शारीरिक गतिविधि करें, तनाव कम करें और नींद पूरी लें, धूम्रपान और शराब से दूरी बनाएं, कोई भी असामान्य लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

सुविचार

मुश्किलों से मत डरो, क्योंकि संघर्ष ही इंसान को मजबूत और सफल बनाता है।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	09:37-08:51 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	रेवती	03:44-03:27 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय		5:58 AM	चन्द्रोदय	08:25 PM
सूर्यास्त		6:41 PM	चंद्रास्त	08:44 AM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:46 PM	ब्रह्म् मुहूर्त	04:21-05:09
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		07:33 AM: 09:08 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

हनुमानजी के पांच भाई, हर नाम देता है अनोखी सीख

लोककथाओं में मतिमान से धृतिमान तक पांच भाइयों का वर्णन

बुद्धि, ज्ञान, साहस गति और धैर्य के प्रतीक माने जाते हैं

यूनिक समय, मथुरा। भगवान हनुमान का नाम लेते ही भक्तों के मन में शक्ति, साहस, भक्ति और समर्पण की भावना जाग उठती है। रामायण में हनुमानजी को भगवान श्रीराम के परम भक्त और संकटमोचन के रूप में जाना जाता है। हालांकि, धार्मिक लोकपरंपराओं और क्षेत्रीय कथाओं में हनुमानजी के पांच भाइयों का भी उल्लेख मिलता है। इन कथाओं में प्रत्येक भाई को एक विशेष गुण का प्रतीक बताया गया है।

लोकमान्यता के अनुसार हनुमानजी के पांच भाइयों के नाम मतिमान, श्रुतिमान, गतिमान, केतुमान और धृतिमान बताए जाते हैं। हालांकि, इनका वर्णन प्रमुख और सर्वमान्य रामायण ग्रंथों में स्थापित तथ्य के रूप में नहीं मिलता। इसलिए इस कथा को लोकविश्वास और क्षेत्रीय धार्मिक परंपरा के रूप में देखना उचित माना जाता है।

लोककथाओं में मतिमान को बुद्धि और विवेक का प्रतीक माना गया है। उनसे यह सीख मिलती है कि ज्ञान तभी उपयोगी है, जब उसका सही समय पर सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए।

श्रुतिमान को ज्ञान, धार्मिक शिक्षा और सीखने की प्रवृत्ति से जोड़ा जाता है। उनका नाम इस बात का संदेश देता है कि मनुष्य को जीवनभर नई बातें सीखते रहना चाहिए और अर्जित ज्ञान को आगे बढ़ाना चाहिए। गतिमान तेज गति, सक्रियता और कर्मठता के प्रतीक माने जाते हैं। उनसे जुड़ा संदेश है कि केवल विचार करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उचित समय आने पर निर्णय लेकर आगे बढ़ना भी जरूरी है। केतुमान को वीरता, शक्ति और निडरता से जोड़ा गया है। उनका चरित्र कठिन परिस्थितियों में डटे रहने और चुनौतियों का साहस के साथ सामना करने की प्रेरणा देता है।

वहीं धृतिमान धैर्य, दृढ़ता, अनुशासन और आत्मसंयम के प्रतीक माने जाते हैं। उनसे यह सीख मिलती है कि विपरीत परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखना और लक्ष्य से विचलित न होना जरूरी है। इन पांचों नामों को प्रतीकात्मक रूप से देखें तो एक महत्वपूर्ण जीवन संदेश सामने आता है। मतिमान बुद्धि, श्रुतिमान ज्ञान, गतिमान सक्रियता, केतुमान साहस और धृतिमान धैर्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। जीवन में सफलता के लिए इन सभी गुणों का संतुलन जरूरी माना जा सकता है। हालांकि, हनुमानजी के पांच भाइयों की यह कथा सर्वमान्य शास्त्रीय प्रमाण नहीं है। अलग–अलग धार्मिक परंपराओं में हनुमानजी के जन्म और परिवार से जुड़ी कथाओं में अंतर मिलता है। इसलिए इसे प्रमाणित ऐतिहासिक तथ्य के बजाय लोककथा और धार्मिक मान्यता के रूप में प्रस्तुत करना अधिक उचित है। इसके बावजूद यह कथा जीवन में बुद्धि, ज्ञान, कर्म, साहस और धैर्य अपनाने का प्रेरक संदेश देती है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति सुधरेगी, परिवार का सहयोग मिलेगा और स्वास्थ्य सामान्य बना रहेगा।
वृषभ: कल धन संबंधी मामलों में लाभ मिलेगा। नौकरी में प्रगति के संकेत हैं, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण और धैर्य बनाए रखें।
मिथुन: कल आपकी मेहनत रंग लाएगी। व्यापार में अवसर मिलेंगे, मित्र सहयोग करेंगे, प्रेम संबंध मधुर रहेंगे और स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।
कर्क: कल पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, रुका धन प्राप्त हो सकता है।
सिंह: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा और महत्वपूर्ण निर्णय ले पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा, वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा।
कन्या: कल कामकाज में व्यस्तता रहेगी। आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे, परिवार में खुशियां आएंगी।
तुला: कल नए संपर्क लाभ देंगे। नौकरी और व्यापार में तरक्की होगी, प्रेम जीवन में मधुरता आएगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
वृश्चिक: कल योजनाएं सफल होंगी और मेहनत का परिणाम मिलेगा। धन लाभ होगा, विरोधी शांत रहेंगे और परिवार में सुखद वातावरण रहेगा।
धनु: कल भाग्य आपका साथ देगा। कार्यक्षेत्र में नई उपलब्धि मिलेगी, आर्थिक लाभ होगा, विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी।
मकर: कल जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन आप उन्हें अच्छी तरह निभाएंगे। धन संबंधी लाभ होगा, अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।
कुंभ: कल रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार में फायदा होगा, नए अवसर मिलेंगे, मित्रों का साथ मिलेगा।
मीन: कल मन प्रसन्न रहेगा और रुके काम पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, परिवार का सहयोग मिलेगा और प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी।

नए मकान की नींव में रखें ये चीजें, सुख–समृद्धि आएगी

वास्तु मान्यताओं में इन्हें शुभता का माना गया है प्रतीक

नींव में ये चीजें रखने की मान्यता

यूनिक समय, मथुरा। घर बनाना हर व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण सपना होता है। मकान की मजबूत नींव केवल भवन को मजबूती नहीं देती, बल्कि वास्तु मान्यताओं में इसे घर की ऊर्जा और सुख–समृद्धि से भी जोड़कर देखा जाता है। सोशल मीडिया पर वायरल एक तस्वीर में मकान की नींव में कुछ विशेष वस्तुएं रखने की सलाह दी गई है। हालांकि, इन उपायों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है और इन्हें धार्मिक एवं वास्तु मान्यता के तौर पर ही देखा जाना चाहिए।

वायरल तस्वीर के अनुसार, मकान की नींव में हल्दी की सात साबुत गांठें रखने की बात कही गई है। हल्दी को शुभता, पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा सात पूजा वाली साबुत सुपारी रखने का सुझाव दिया गया है। धार्मिक परंपराओं में सुपारी को मंगल और पूर्णता से जोड़कर देखा जाता है।

तस्वीर में चार लोहे की कील रखने की बात भी कही गई है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार लोहे को नकारात्मक ऊ

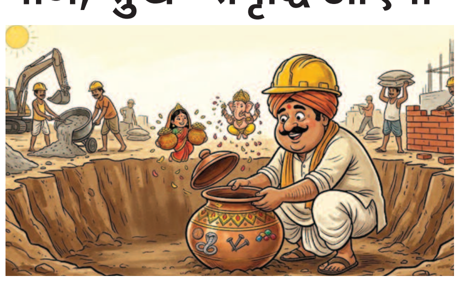

र्जा से सुरक्षा देने वाला माना जाता है। इसी क्रम में नाग–नागिन का चांदी का जोड़ा रखने का उल्लेख है। इसे नाग देवता से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं और घर की सुरक्षा से जोड़ा जाता है।

इसके अलावा तांबे का लोटा ढक्कन सहित रखने की सलाह दी गई है। तांबा धार्मिक दृष्टि से पवित्र धातु माना जाता है। तस्वीर में तुलसी और पान की पत्ती रखने का सुझाव भी दिया गया है, जिन्हें शुभता और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है।

हालांकि, घर बनाते समय नींव की मजबूती, निर्माण सामग्री और अभियंता की सलाह को प्राथमिकता देना जरूरी है। वास्तु उपाय आस्था का विषय हो सकते हैं, लेकिन भवन की सुरक्षा वैज्ञानिक निर्माण पर ही निर्भर करती है।

अकेली लकड़ी बुझी संगत से फिर जल उठी

गुरु ने शिष्य को समझाया संगति से मिलती है ताकत

अकेलेपन से बेहतर है सहयोग का मजबूत सहारा

यूनिक समय, मथुरा। पुराने समय की एक लोककथा में एक गुरुकुल का प्रसंग मिलता है। आश्रम में सभी शिष्य मिल–जुलकर रहते और पढ़ाई के साथ दूसरे कामों में भी एक–दूसरे का सहयोग करते थे। इनमें एक शिष्य कुछ समय बाद सबसे अलग रहने लगा। उसके व्यवहार में बदलाव देखकर गुरु उसके पास पहुंचे।

सर्दियों की शाम गुरु ने जलती लकड़ियों में से एक लकड़ी निकालकर अलग रख दी। कुछ देर बाद वह लकड़ी ठंडी होकर बुझ गई। गुरु ने उसे दोबारा जलती लकड़ियों के बीच रख दिया। थोड़ी देर में वह फिर जलने लगी। शिष्य गुरु का संकेत समझ गया। उसने कहा कि जिस तरह लकड़ी समूह से अलग होकर बुझ गई, उसी तरह मनुष्य भी सहयोग और अच्छी संगति से शक्ति पाता है। कथा की सीख है कि व्यक्ति को ऐसे लोगों का साथ चुनना चाहिए, जो उसे बेहतर बनने के लिए प्रेरित करें। जरूरत पड़ने पर परिवार, मित्र या अनुभवी व्यक्ति से सहायता लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। कुछ समय एकांत में रहना आत्मचिंतन के लिए उपयोगी हो सकता है, लेकिन सभी से दूरी बना लेना उचित नहीं। मिलकर काम करने, दूसरों की मदद करने और संवाद बनाए रखने से रिश्ते मजबूत होते हैं। कठिन समय में अच्छी संगति व्यक्ति को संभालने के साथ उसका आत्मविश्वास भी बढ़ाती है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर दुर्लभ संयोग,लड्डू गोपाल को चढ़ाएं खीरा

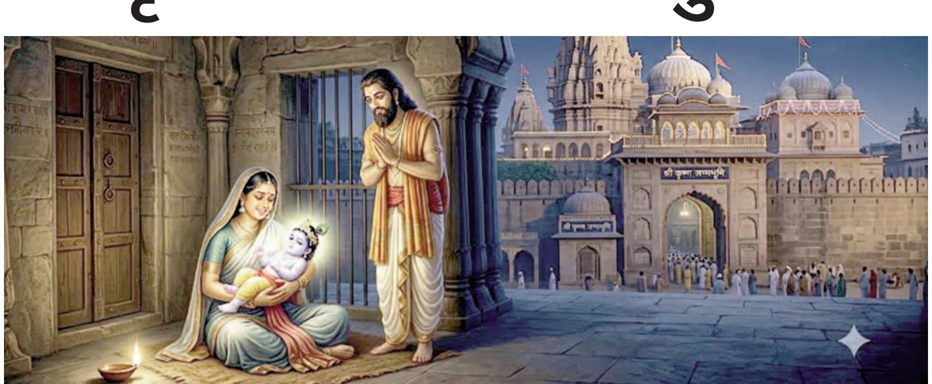

रोहिणी नक्षत्र और वृष राशि से बन रहा विशेष संयोग

मध्यरात्रि पूजा में माखन–मिश्री, बांसुरी अर्पित करने की मान्यता

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व इस बार 4 सितंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जन्माष्टमी की रात भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। इस अवसर पर मंदिरों और घरों में विशेष पूजा–अर्चना की जाती है। भगवान श्रीकृष्ण का पंचामृत से अभिषेक करने के साथ मध्यरात्रि में आरती और भजन–कीर्तन किए जाते हैं।

ज्योतिषाचार्य पंडित अजय कुमार तैलंग के अनुसार इस वर्ष जन्माष्टमी पर विशेष नक्षत्रीय संयोग बन रहा है। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मकाल में रोहिणी नक्षत्र और वृष राशि में चंद्रमा होने की धार्मिक मान्यता है। इस बार भी जन्माष्टमी पर इससे मिलती–जुलती स्थिति बनने की बात कही जा रही है। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग बनने का भी उल्लेख किया गया है।

पंडित के अनुसार जन्माष्टमी की शाम सूर्यास्त के समय भगवान श्रीकृष्ण का चित्र, लड्डू गोपाल की प्रतिमा पूजा स्थान पर स्थापित करनी चाहिए। इसके बाद पीला वस्त्र बिछाकर भगवान का पंचामृत से अभिषेक किया जा सकता है। पूजा के दौरान कृष्ण मंत्र या महामंत्र का जाप करने की भी धार्मिक मान्यता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मध्यरात्रि में हुआ था। इसलिए जन्माष्टमी की रात 12 बजे पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। इस समय घी का दीपक जलाकर भगवान श्रीकृष्ण को माखन–मिश्री, बांसुरी और डंठल लगा खीरा अर्पित करने की परंपरा कई स्थानों पर निभाई जाती है।

मान्यता है कि जन्माष्टमी पर श्रद्धापूर्वक पूजा करने से भगवान श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त होती है। हालांकि, पूजा के ये उपाय धार्मिक परंपराओं और मान्यताओं पर आधारित हैं। इन्हें वैज्ञानिक प्रमाण के रूप में नहीं, बल्कि आस्था से जुड़े उपाय के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

सम्पादकीय

खेत में नहीं, गोदाम में पक रहा नया आलू

आलू अब खेत में ही पैदा हो, यह जरूरी नहीं। बाजार के कुछ होशियार कारोबारियों ने इसकी ऐसी 'कायाकल्प पद्धति' खोज निकाली है कि आठ–दस महीने पुराने आलू को कुछ घंटों में नया दिखाया जा सकता है। किसान महीनों खेत में मेहनत करे, मौसम की मार झेले और लागत निकालने के लिए परेशान रहे, जबकि मुनाफाखोर मिट्टी और रसायन का मेकअप करके पुराने आलू को नया बताकर बेच दें। इसे व्यापार कहें, तकनीकी चमत्कार कहें या उपभोक्ता की आंखों में धूल झोंकने का नया तरीका?

पवन गौतम
संपादक

व्यंग्य यह है कि नकली नए आलू की भी बाकायदा 'क्षेत्रीय पहचान' तय है। ग्राहक को लाल मिट्टी वाला आलू चाहिए तो लाल मिट्टी, पीली चाहिए तो पीली और काली चाहिए तो काली मिट्टी। मानो आलू कोई चुनावी उम्मीदवार हो, जिसे इलाके की पसंद के अनुसार रंग दिया जा रहा हो। फर्क इतना है कि चुनाव के बाद रंग बदलने का पता चल जाता है, लेकिन थाली में पहुंचा आलू अपना राज आसानी से नहीं खोलता।

इसके बाद रसायन का जादू शुरू होता है। अमोनिया के छिड़काव से आलू पर नमी आती है और छिलका उतरने लगता है। यानी महीनों पुराना आलू कुछ घंटों में ऐसा रूप धर लेता है, जैसे अभी खेत से खोदकर निकला हो। असली कमाल आलू की उम्र घटाने का नहीं, ग्राहक की जेब बढ़ाने का है। पुराना आलू सस्ता और नया महंगा–बस इसी अंतर में मुनाफे की पूरी कहानी लिखी जा रही है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

लेकिन यह खेल केवल बाजार की चालाकी नहीं है। जब किसी खाद्य पदार्थ को रसायनों के सहारे नया दिखाकर बेचा जाता है तो मामला सीधे उपभोक्ता की सेहत से जुड़ जाता है। विशेषज्ञों ने अमोनिया के सेवन से शरीर पर गंभीर असर की आशंका जताई है। यानी मुनाफा किसी की जेब में जा रहा है और जोखिम किसी दूसरे की थाली में। खाद्य विभाग छापेमारी, नमूने और कार्रवाई की बात करता है। फिर भी यदि यह कारोबार बढ़ता जा रहा है तो सवाल व्यवस्था से है। क्या निगरानी भी केवल कागजों पर चमक रही है, बिल्कुल उस नकली नए आलू की तरह?

ग्राहक को नया आलू चाहिए, नया धोखा नहीं। जरूरत है कि खेत से बाजार तक निगरानी मजबूत हो, नमूनों की जांच तेज हो और दोषियों पर ऐसी कार्रवाई हो कि रसायन का यह 'मेकअप उद्योग' बंद हो। आलू चाहे पुराना हो या नया, ईमानदारी की मिट्टी ही बाजार की असली पहचान होनी चाहिए।

नजरिया

धर्म की दीवारों से ऊपर उठती मानवता की पुकार

बोध प्रकाश सगुणी

न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का संबोधन ऐसे समय में सामने आया है, जब पूरी दुनिया धार्मिक पहचान, वैचारिक टकराव और राजनीतिक स्वार्थ के बीच उलझी हुई दिखाई देती है। अलग–अलग देशों में धर्म और समुदाय के नाम पर बढ़ती दूरियां यह सवाल खड़ा करती हैं कि क्या मनुष्य की पहचान उसकी धार्मिक आस्था से बड़ी हो सकती है? भागवत के संबोधन का केंद्रीय संदेश इसी सवाल का उत्तर तलाशता नजर आया–धर्म अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है।

यह बात सुनने में सरल लग सकती है, लेकिन इसके भीतर सामाजिक जीवन को बदलने की बड़ी संभावना छिपी है। धर्म मनुष्य को सत्य, अनुशासन और नैतिकता की ओर ले जाने का माध्यम है। यदि धर्म ही मनुष्य को मनुष्य से दूर करने लगे, तो उसके मूल उद्देश्य पर विचार करना आवश्यक हो जाता है। धार्मिक परंपराएं अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, मगर उनका अंतिम लक्ष्य मनुष्य को बेहतर बनाना और समाज में सद्भाव पैदा करना होना चाहिए।

आज धार्मिक जीवन का बड़ा हिस्सा पूजा–पद्धतियों, रीति–रिवाजों और परंपराओं के इर्द–गिर्द दिखाई देता है। ये सभी किसी भी धर्म की पहचान और आस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या धर्म का अर्थ केवल इन्हीं तक सीमित है?

भागवत ने इसी बिंदु को सामने रखा कि धार्मिक प्रक्रियाएं मनुष्य को ईश्वर की ओर बढ़ने में सहायता करती हैं, लेकिन धर्म का वास्तविक उद्देश्य सत्य तक पहुंचना है। सत्य की तलाश किसी एक धर्म, संप्रदाय या समुदाय की संपत्ति नहीं हो सकती। मनुष्य की आध्यात्मिक यात्रा के रास्ते अलग–अलग हो सकते हैं, मगर मंजिल एक होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

भारत की सभ्यता का अनुभव भी इसी विविधता में एकता का रहा है। यहां अलग–अलग मत, पंथ और उपासना पद्धतियां लंबे समय से साथ–साथ अस्तित्व में रही हैं। इस विविधता को कमजोरी के बजाय शक्ति के रूप में देखने की आवश्यकता है।

भागवत ने राजनीति को लेकर जो बात कही, वह भी विचार करने योग्य है। उन्होंने राजनीति में बढ़ती स्वार्थ भावना की ओर संकेत करते हुए 'मैं और मेरा' के बजाय 'हम और हमारा' की सोच को समाधान बताया।

वास्तव में लोकतंत्र केवल चुनाव और सत्ता परिवर्तन का नाम नहीं है। लोकतंत्र का मूल आधार समाज की सामूहिक चेतना है। यदि समाज ही छोटे–छोटे समूहों में बंटकर केवल अपने हित की चिंता करने लगे तो राजनीति भी उसी दिशा में चलने लगती है।

राजनीति समाज का प्रतिबिंब होती है। इसलिए राजनीतिक बदलाव से पहले सामाजिक सोच में बदलाव जरूरी है। जब नागरिक अपने व्यक्तिगत हित से ऊपर उठकर व्यापक समाज के हित को महत्व देंगे, तब राजनीति पर भी उसका असर दिखाई देगा।

यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी है–क्या समाज को बदलने का दायित्व केवल संगठनों का है? निश्चित रूप से नहीं। प्रत्येक नागरिक अपने व्यवहार से सामाजिक वातावरण को प्रभावित करता है। पड़ोसी के प्रति व्यवहार, दूसरे धर्म के व्यक्ति के प्रति सम्मान, जरूरतमंद की सहायता और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी–यही छोटे कदम मिलकर बड़ी सामाजिक तस्वीर बनाते हैं।

भागवत ने अपने संबोधन में हिंदुत्व को लेकर भी महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति यह सोचता है कि भारत में किसी मुस्लिम के लिए स्थान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदुत्व की मूल भावना को नहीं समझता।

यह कथन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी भी व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा की पहचान उसके भीतर समाहित करने की क्षमता से होती है। भारत की बहुलतावादी परंपरा में अनेक विश्वासों और जीवन पद्धतियों के लिए स्थान रहा है। इसलिए किसी भी विचार को समझने के लिए उसके मूल दर्शन और उसके व्यवहारिक स्वरूप के बीच अंतर करना आवश्यक है।

धार्मिक सद्भाव केवल मंचों से दिए गए भाषणों से नहीं बनता। इसके लिए समाज के भीतर लगातार संवाद और संपर्क की जरूरत होती है। यदि अलग–अलग समुदाय एक–दूसरे से केवल विवाद के समय संवाद करेंगे तो दूरी कम नहीं होगी। सामान्य दिनों में भी एक–दूसरे के सुख–दुख में शामिल होना होगा।

भागवत ने मुस्लिम और ईसाई समुदायों के साथ संवाद तथा सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए एक महत्वपूर्ण बात कही कि सेवा को संवाद के बाद का कदम नहीं माना जाना चाहिए। दोनों काम साथ–साथ होने चाहिए।

यही विचार सामाजिक एकता की वास्तविक कसौटी हो सकता है। किसी व्यक्ति की धार्मिक पहचान पूछे बिना उसकी सहायता करना मानवता की सबसे सरल और प्रभावी अभिव्यक्ति है। भूख, बीमारी, गरीबी और आपदा किसी व्यक्ति का धर्म देखकर नहीं आतीं। फिर सहायता का आधार धार्मिक पहचान क्यों हो?

सेवा के क्षेत्र में भेदभाव समाप्त करना सामाजिक विश्वास को मजबूत कर सकता है। जब लोग एक–दूसरे को केवल धार्मिक पहचान के चश्मे से देखना बंद करेंगे, तभी वास्तविक सामाजिक एकता मजबूत होगी।

भागवत का यह कहना कि घटनाओं के बाद राजनीति को प्रभावित करने के बजाय घटनाओं से पहले राजनीति को सही दिशा देने का प्रयास होना चाहिए, लोकतांत्रिक व्यवस्था पर एक व्यापक बहस को जन्म देता है।

राजनीति को प्रभावित करने का अर्थ केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। यदि सामाजिक संगठन नागरिकों में जिम्मेदारी, अनुशासन, सेवा और सद्भाव की भावना पैदा करते हैं तो अप्रत्यक्ष रूप से वे लोकतंत्र को मजबूत करते हैं।

लेकिन यहां सावधानी भी आवश्यक है। कोई भी संगठन कितना ही बड़ा क्यों न हो, उसे समाज की विविधता का सम्मान करना होगा। लोकतंत्र में असहमति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी सहमति। संवाद तभी सार्थक होगा जब दोनों पक्ष एक–दूसरे को सुनने के लिए तैयार हों।

आज दुनिया तकनीकी रूप से पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई है, लेकिन भावनात्मक और सामाजिक स्तर पर दूरियां कई जगह बढ़ रही हैं। सूचना कुछ क्षणों में एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप पहुंच जाती है, मगर एक समुदाय की पीड़ा दूसरे समुदाय तक पहुंचने में वर्षों लग जाते हैं।

ऐसे दौर में 'एक दुनिया, एक मानवता' का विचार केवल सम्मेलन का विषय नहीं रहना चाहिए। इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

धर्म मनुष्य को जोड़ने का माध्यम बने, राजनीति समाज को बांटने का हथियार न बने और सेवा किसी पहचान की मोहताज न हो–यही उस संदेश का सार है। धर्मों की विविधता बनी रहे, आस्थाओं की स्वतंत्रता बनी रहे, लेकिन मनुष्य की गरिमा सबसे ऊ पर रहे।

आखिरकार किसी समाज की महानता इस बात से तय नहीं होती कि वहां कितने धर्म हैं, बल्कि इससे तय होती है कि अलग–अलग धर्मों के लोग एक–दूसरे के साथ कितने सम्मान और विश्वास से रह सकते हैं। रास्ते अलग हों तो भी मंजिल मानवता की हो–यही आज की दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत है।

विचार विंडो

तीस मिनट की चेतावनी और जिंदगी भर का मलबा

राम प्रकाश शर्मा

'पानी आया और सब ले गया, अब और क्या बोलूं।' नेपाल के त्रिशूली से आई यह छोटी–सी बात किसी पूरी त्रासदी से कम नहीं। कुछ शब्दों में एक शहर की बर्बादी, परिवारों का बिछड़ना, सपनों का मिट जाना और पीछे छूट गई बेबसी समा गई है। 30 हजार आबादी वाला त्रिशूली कभी बाजारों की चहल–पहल से भरा कस्बा था। आज वहां सड़क की जगह मलबा है, दुकानों की जगह कीचड़ है और घरों की जगह टूटी दीवारें हैं। सबसे दर्दनाक बात यह है कि इस तबाही से पहले लोगों को चेतावनी दी गई थी।

सायरन बजा था। पुलिस ने लोगों से ऊंचाई की ओर भागने को कहा था। कई लोगों के पास लगभग तीस मिनट थे। तीस मिनट–जो किसी की पूरी जिंदगी बचाने के लिए पर्याप्त हो सकते थे, लेकिन लापरवाही, भ्रम और खतरे की सही कल्पना न कर पाने के कारण कई लोगों के लिए यही समय जिंदगी और मौत के बीच की आखिरी दूरी बन गया।

त्रिशूली के लोगों ने नदी को पहले भी उफनते देखा था। बाढ़ वहां के लिए कोई बिल्कुल नई घटना नहीं थी। यही पुराना अनुभव इस बार सबसे बड़ा भ्रम बन गया। लोगों ने सोचा होगा कि पानी आएगा, कुछ देर रहेगा और फिर उतर जाएगा। आखिर पहले भी तो ऐसा ही होता रहा था।

कई चश्मदीदों ने बताया कि पुलिस लोगों को लगातार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कह रही थी। कुछ लोग निकल गए और बच गए। कुछ सामान समेटने लगे। किसी को घर बचाने की चिंता थी, किसी को पैसे और जरूरी कागजात की। किसी ने चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया।

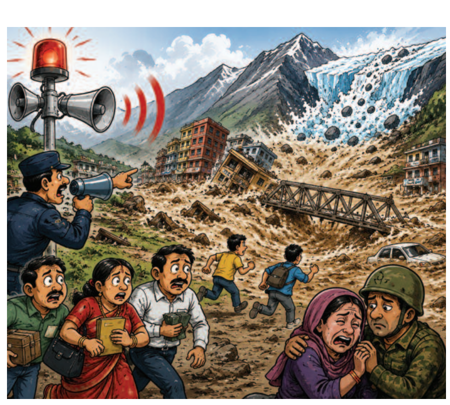

कुछ लोग शायद यह मानकर बैठे रहे कि इतना बड़ा खतरा हो ही नहीं सकता। यही आपदा प्रबंधन की सबसे कठिन चुनौती है–खतरे की सूचना लोगों तक पहुंचाना ही पर्याप्त नहीं, उन्हें खतरे की गंभीरता समझाना भी जरूरी है।

आपदा की घड़ी में तीस मिनट मामूली समय नहीं होते। यही तीस मिनट सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचा सकते हैं। लेकिन इसके लिए चेतावनी स्पष्ट, तेज और भरोसेमंद होनी चाहिए। त्रिशूली की करीब 60 वर्षीय दीपा की बात इस व्यवस्था की कमजोरी उजागर करती है। उनका कहना है कि उन्हें सायरन सुनाई ही नहीं दिया। यदि किसी व्यक्ति तक चेतावनी पहुंची ही नहीं तो उससे यह अपेक्षा कैसे की जा सकती है कि वह समय रहते घर छोड़ देगा?

आधुनिक आपदा प्रबंधन केवल सायरन बजाने तक सीमित नहीं रह सकता। मोबाइल संदेश, स्थानीय स्वयंसेवक, घर–घर सूचना, सार्वजनिक उद्घोषणा और सुरक्षित रास्तों की पहले से पहचान–इन सभी को एक साथ काम करना होगा। पहाड़ी क्षेत्रों में तो यह व्यवस्था और अधिक मजबूत होनी चाहिए, क्योंकि वहां कुछ मिनटों की देरी भी भारी पड़ सकती है। त्रिशूली की त्रासदी हमें यह भी बताती है कि प्रकृति के संकेतों को नजरअंदाज करना कितना महंगा पड़ सकता है। ग्लेशियर टूटना, अचानक भारी जलप्रवाह और भूस्खलन जैसी घटनाएं पहाड़ी क्षेत्रों में बेहद तेजी से परिस्थितियां बदल सकती हैं। जो नदी रोज जीवन देती है, वही कुछ मिनटों में विनाश का रास्ता बन सकती है। इसलिए नदी किनारे बसने वाले इलाकों में यह मान लेना कि 'पहले भी बाढ़ आई थी, कुछ नहीं हुआ' खतरनाक सोच है।

जलवायु परिवर्तन के दौर में मौसम और प्राकृतिक घटनाओं का व्यवहार पहले जैसा रहने की गारंटी नहीं है। तापमान में बदलाव, हिमनदों का पिघलना और पहाड़ों की बदलती परिस्थितियां हिमालयी क्षेत्रों के लिए लगातार नई चुनौतियां खड़ी कर रही हैं।

त्रिशूली में मलबा हटाने की तस्वीरें केवल राहत अभियान की कहानी नहीं हैं। हर पत्थर के नीचे किसी परिवार की उम्मीद दबी है। किसी दुकान में किसी की वर्षों की मेहनत थी। किसी मकान में बच्चों की हंसी थी। किसी सड़क से रोजी–रोटी का रास्ता निकलता था। बलिया के अशोक कुमार चौरसिया की कहानी इस त्रासदी का मानवीय चेहरा सामने लाती है। बीस वर्षों से त्रिशूली में कपड़ों की दुकान चलाने वाले अशोक ने बाढ़ में अपनी भाभी और 18 वर्षीय भतीजे को खो दिया। उनकी छह दुकानें भी तबाह हो गईं।

ऐसी त्रासदी में नुकसान की गणना केवल मृतकों और लापता लोगों की संख्या से नहीं हो सकती। असली नुकसान उन जिंदगियों में है जिन्हें दोबारा अपने पैरों पर खड़ा होने में वर्षों लगेंगे।

नेपाल की यह त्रासदी केवल नेपाल की समस्या मानकर भूल जाना खतरनाक होगा। हिमालय एक साझा प्राकृतिक क्षेत्र है। भारत के हिमालयी राज्यों में भी हिमनद झीलों और अचानक आने वाली बाढ़ का खतरा मौजूद है।

इसलिए अब सवाल यह नहीं होना चाहिए कि अगली आपदा कब आएगी। सवाल यह होना चाहिए कि जब आएगी, तब हम कितने तैयार होंगे।

हर संवेदनशील गांव और कस्बे का जोखिम मानचित्र तैयार होना चाहिए। सुरक्षित स्थान पहले से तय होने चाहिए। स्थानीय लोगों को नियमित अभ्यास कराया जाना चाहिए। चेतावनी तंत्र की जांच केवल कागजों पर नहीं, जमीन पर होनी चाहिए। त्रिशूली ने हमें तीस मिनट का सबक दिया है। प्रकृति ने चेतावनी दी थी, मगर हर कान तक वह आवाज नहीं पहुंची। कुछ ने आवाज सुनी, लेकिन खतरा नहीं समझा। और फिर पानी आया–इतनी तेजी से कि सोचने का अवसर भी नहीं मिला। मलबे में दबा त्रिशूली हमें यही याद दिलाता है कि आपदा कभी केवल प्रकृति की मार नहीं होती। कभी–कभी हमारी तैयारी की कमी, चेतावनी को हल्के में लेना और खतरे को सामान्य समझना भी उसकी भयावहता बढ़ा देता है। अगली बार सायरन बजे तो उसे सिर्फ आवाज न समझें। वह शायद किसी जिंदगी के पास बचा हुआ आखिरी आधा घंटा हो।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले साउथ अफ्रीका को बड़ा झटका

चोट ने रबाडा को वनडे सीरीज से किया बाहर, टेस्ट में भी संकट

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सितंबर में होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। इतना ही नहीं, अक्टूबर में होने वाली टेस्ट सीरीज में भी उनके खेलने पर संशय बना हुआ है। अगर रबाडा की चोट गंभीर साबित होती है और उन्हें लंबे समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ता है, तो साउथ अफ्रीका की टेस्ट टीम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने 21 अगस्त को बताया था कि ट्रेनिंग के दौरान रबाडा की हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। इसके बाद से वह मेडिकल टीम की निगरानी में हैं और रिहैबिलिटेशन के शुरुआती चरण में हैं। अब सामने आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रबाडा की दाईं हैमस्ट्रिंग में ग्रेड-3 टियर है और उन्हें करीब 9 से 10 सप्ताह तक मैदान से बाहर रहना पड़ सकता है। हालांकि, इस चोट की स्थिति को लेकर अंतिम तस्वीर उनकी रिकवरी और मेडिकल जांच के बाद ही साफ होगी। अगर रबाडा को 9 से 10 सप्ताह का आराम करना पड़ा, तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज की शुरुआत तक उनका पूरी तरह फिट होना मुश्किल हो सकता है। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज 9 अक्टूबर से किंग्समीड में होगा।

दूसरा टेस्ट 17 अक्टूबर से और तीसरा मुकाबला 25 अक्टूबर से न्यूलैंड्स में खेला जाएगा। ऐसे में रबाडा कम से कम शुरुआती टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। रबाडा 24 से 30 सितंबर तक होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे। टेस्ट सीरीज के लिए उनका चयन उनकी फिटनेस और रिकवरी पर निर्भर करेगा। क्रिकेट साउथ अफ्रीका का कहना है कि टेस्ट टीम में उनकी उपलब्धता पर अंतिम फैसला सीरीज के करीब लिया जाएगा। रबाडा साउथ अफ्रीका के मौजूदा गेंदबाजों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 73 टेस्ट मैचों में 340 विकेट अपने नाम किए हैं और उनका गेंदबाजी औसत 22.03 रहा है। तेज पिचों पर उनकी रफ्तार और अनुभव टीम के लिए बेहद अहम है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रबाडा की गैरमौजूदगी साउथ अफ्रीका के लिए बड़ा नुकसान साबित हो सकती है। उनकी चोट का असर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अभियान पर भी पड़ सकता है, जहां टीम को आगे कई अहम मुकाबले खेलने हैं।

सनरूफ से बाहर आए आतिफ और फिर साथ गाने लगे गाना

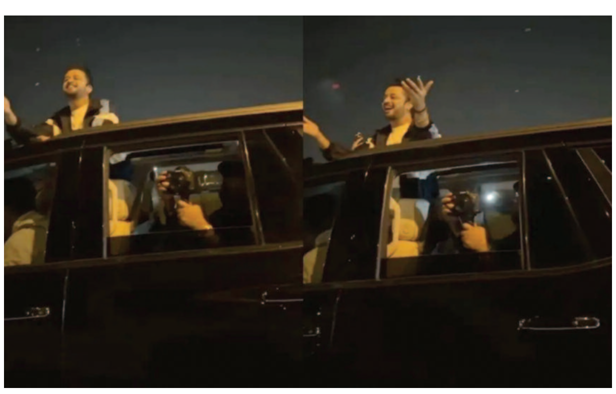

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उनका फैंस के प्रति बेहद खास अंदाज देखने को मिला। दरअसल, देर रात ट्रैफिक के बीच कुछ फैंस ने अपनी कार से आतिफ असलम को पहचान लिया और उनका मशहूर गाना 'दूरी' गाना शुरू कर दिया। फैंस की आवाज सुनकर आतिफ भी खुद को रोक नहीं पाए। वह अपनी कार की सनरूफ से बाहर निकले और कुछ देर तक फैंस के साथ 'दूरी' गाते नजर आए। अचानक सड़क पर हुआ यह छोटा सा म्यूजिक सेशन वहां मौजूद लोगों के लिए यादगार बन गया। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद यूजर्स आतिफ के इस सहज और दोस्ताना अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वायरल क्लिप में देखा जा सकता है कि आतिफ असलम अपनी कार से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान बगल में चल रही कार में बैठे फैंस ने उन्हें पहचान लिया और गाना गाना शुरू कर दिया। फैंस को अपना गाना गाते देख आतिफ ने भी कार की सनरूफ खोली और बाहर निकलकर उनके साथ गाने के सुर में सुर मिलाया। इस दौरान वह काफी खुश नजर आए और मुस्कुराते हुए फैंस के साथ कुछ पल बिताए। इसके बाद वह वापस अपनी कार के अंदर बैठ गए। यह वीडियो पैपराजी ताहिर जासूस ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था, जिसके बाद यह तेजी से वायरल हो गया। लोगों को आतिफ का यह अंदाज इतना पसंद आया कि कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें विनम्र और जमीन से जुड़ा कलाकार बताया।

आतिफ असलम हाल ही में भारत में पाकिस्तानी कलाकारों पर लगे बैन को लेकर दिए अपने बयान की वजह से भी चर्चा में रहे थे। क्रिस फेड के यूट्यूब चैनल 'वन ऑन वन विद क्रिस फेड' पर बातचीत में उन्होंने कहा था कि पिछले 10 साल से उन्होंने भारत में कोई गाना नहीं किया है। उन्होंने यह भी कहा था कि भारतीय फैंस अलग-अलग माध्यमों से उनका संगीत सुनते हैं। साल 2016 में उरी आतंकी हमले के बाद भारत में पाकिस्तानी कलाकारों पर बैन लगाया गया था। उस दौरान गुड़गांव में आतिफ असलम का कॉन्सर्ट भी रद्द कर दिया गया था। हालांकि, भारत में उनके गानों की लोकप्रियता आज भी कम नहीं हुई है। 'आदत', 'वो लम्हे', 'तेरे बिन', 'पहली नजर में', 'तू जाने ना' और 'दिल दियां गल्लां' जैसे गानों ने उन्हें हिंदी म्यूजिक इंडस्ट्री में खास पहचान दिलाई है।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी को अचानक मिली कप्तानी

चोट के बाद मैदान से बाहर हुए ईशान किशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2026 के पहले सेमीफाइनल में उस समय बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब ईस्ट जोन के नियमित कप्तान ईशान किशन चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। उनकी गैरमौजूदगी में महज 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल ली। ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच खेले जा रहे इस मुकाबले में ईशान किशन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, लेकिन मैच के पहले ही सेशन में उनकी चोट ने टीम की रणनीति बदल दी। वैभव को दलीप ट्रॉफी के लिए ईस्ट जोन का उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

ईशान किशन को चोट 19वें ओवर के दौरान लगी। वह विकेटकीपिंग कर रहे थे, तभी गेंद उनकी दाहिनी कलाई पर जा लगी। चोट लगने के बाद ईशान काफी दर्द में नजर आए और फिजियो की मदद लेनी पड़ी। इसके बाद वह इलाज के लिए मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह कुमार कुशाग्र ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। ईशान के मैदान से बाहर जाते ही 19वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन की कमान अपने हाथों में ले ली।

वैभव के लिए यह पल बेहद खास है, क्योंकि वह पहली बार किसी सीनियर मेंस क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहे हैं। महज 15 साल की उम्र में उन्हें यह जिम्मेदारी मिलना उनके क्रिकेट करियर में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। वैभव इस समय अपने करियर का दूसरा दलीप ट्रॉफी मुकाबला और कुल 10वां फर्स्ट क्लास मैच खेल रहे हैं। उन्होंने 2024 की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था।

हालांकि, नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वैभव बल्ले से कुछ खास नहीं कर पाए थे। वह आठ गेंदों में छह रन बनाकर आउट हो गए थे, लेकिन गेंदबाजी में उन्होंने दो विकेट हासिल किए थे। अब सेमीफाइनल जैसे अहम मुकाबले में अचानक कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने के बाद सभी की नजरें उनके प्रदर्शन पर टिकी हैं।

सेमीफाइनल के लिए ईस्ट जोन की प्लेइंग इलेवन में भी बदलाव हुआ है। पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले शाहबाज अहमद पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण इस मुकाबले से बाहर हैं। उनकी जगह कुनैन कुरैशी को टीम में शामिल किया गया है। मैच के पहले दिन लंच तक सेंट्रल जोन ने तीन विकेट गंवाकर 81 रन बना लिए थे।

विदेश में रहकर भी भारतीय संस्कारों से जुड़ी हैं प्रियंका

बेटी मालती ने नीर को भेजी पहली राखी

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा भले ही शादी के बाद से विदेश में रह रही हैं, लेकिन भारतीय संस्कृति और परंपराओं से उनका जुड़ाव आज भी कायम है। वह विदेश में रहते हुए भी भारतीय त्योहारों को पूरे उत्साह के साथ मनाती हैं और अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा को भी देशी संस्कारों से जोड़ रही हैं। इस रक्षाबंधन पर इसकी एक प्यारी झलक देखने को मिली, जब मालती ने अपनी मौसी परिणीति चोपड़ा के बेटे नीर के लिए राखी भेजी। मालती और नीर का यह पहला रक्षाबंधन है, जिसकी तस्वीर परिणीति ने सोशल मीडिया पर साझा की है। परिणीति चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर नीर के हाथ की तस्वीर शेयर की, जिसमें उसकी कलाई पर मालती की भेजी हुई खूबसूरत राखी नजर आ रही है। तस्वीर के साथ परिणीति ने लिखा, 'मेरी पहली राखी के लिए थैंक यू मालती दीदी, बहुत सारा प्यार, नीर।' परिणीति की इस पोस्ट को प्रियंका चोपड़ा ने भी री-शेयर किया और लिखा, 'दीदी तुम्हें बहुत प्यार करती है बेबी नीर।' दोनों बहनों के बच्चों के बीच यह प्यारा रिश्ता फैंस को भी काफी पसंद आ रहा है।

प्रियंका अक्सर अपनी बेटी को भारतीय संस्कृति से रूबरू कराती नजर आती हैं। हाल ही में उन्होंने मालती का एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह बेटी को दुर्गा सप्तशती का मंत्र सिखाती दिखाई दी थीं। दिवाली, होली और अन्य भारतीय त्योहारों पर भी प्रियंका अपनी बेटी के साथ खास अंदाज में जश्न मनाती हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' से भारतीय सिनेमा में वापसी करने वाली हैं। फिल्म में वह महेश बाबू के साथ नजर आएंगी और इसके अप्रैल 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है।

45 मिनट इंतजार के बाद रजत दलाल का चढ़ा पारा

थार से कार को मारी टक्कर, वीडियो वायरल

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'बिग बॉस 18' फेम और यूट्यूबर रजत दलाल एक बार फिर अपने एक वीडियो को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में रजत दलाल अपनी थार से एक दूसरी कार को टक्कर मारकर साइड करते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह मामला फरीदाबाद के एक पार्किंग एरिया का है, जहां अपनी गाड़ी निकालने के लिए रजत को करीब 45 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं।

रजत दलाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर इस पूरे मामले से जुड़े कई वीडियो और तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने बताया कि वह इस इलाके में जिम के लिए आते हैं और अक्सर उनकी गाड़ी के आगे-पीछे दूसरी गाड़ियां इस तरह खड़ी कर दी जाती हैं कि उन्हें अपनी कार निकालने में परेशानी होती है। रजत ने एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'रोज का ड्रामा है यार, इतनी बड़ी पार्किंग में इतनी गाड़ियों में मेरी ही गाड़ी मिलती है हमेशा।'

इसके बाद रजत ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी थार चारों तरफ से दूसरी गाड़ियों से घिरी दिखाई दे रही है। उनके मुताबिक, वह करीब 45 मिनट तक दूसरी गाड़ियों के मालिकों के आने का इंतजार करते रहे, लेकिन कोई वहां नहीं पहुंचा। गाड़ियों पर संपर्क करने के लिए कोई नंबर भी नहीं लगा था। इसके बाद उन्होंने अपनी थार से सामने खड़ी कार को टक्कर मारकर साइड किया और वहां से निकल गए।

विवाद बढ़ने के बाद रजत ने सफाई देते हुए कहा कि वीडियो न तो प्रमोशनल है और न ही स्क्रिप्टेड। उन्होंने दावा किया कि पार्किंग में ऐसी स्थिति रोज होती है और एक सीमा तक ही इंतजार किया जा सकता है। रजत का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा में है।

चित्रकूट में बाढ़ से तबाही जवानों ने बच्चों को बचाया

मंदाकिनी का जलस्तर बढ़ने से पुल बहा, बचाव जारी

प्रयागराज में गंगा—यमुना उफनी, वाराणसी में घाट डूबे

बाढ़ में फंसे बच्चों को जवानों ने निकाला

प्रयागराज में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से कई जिलों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के उफान से जनजीवन प्रभावित हुआ है। हनुमान धारा के पास बना करीब 300 फीट लंबा पुल बाढ़ की चपेट में आकर बह गया। कई लोग घरों और होटलों में फंस गए। प्रशासन ने बचाव अभियान तेज करते हुए दो हेलिकॉप्टर और राज्य आपदा मोचन बल की टीमें तैनात की हैं। अब तक करीब 50 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव दल ने घरों में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया। एक परिवार के बच्चों को जवानों ने गोद में उठाकर बाहर निकाला। पानी कम होने के बाद घरों और सड़कों पर मिट्टी, कचरा और कीचड़ जमा हो गया है। स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। लगातार बारिश और मध्य प्रदेश के बरगी बांध से पानी छोड़े जाने को भी हालात बिगड़ने की वजह बताया जा रहा है। चित्रकूट सदर विधायक अनिल प्रधान ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर नुकसान का सर्वे कराने और प्रभावित परिवारों को जल्द राहत व मुआवजा देने की मांग की है।

प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। रविवार तड़के गंगा का पानी बड़े हनुमान मंदिर तक पहुंच गया। इसके बाद मंदिर में पूजा—अर्चना और आरती की गई। वाराणसी में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है और सभी 84 घाट जलमग्न हैं। कई जगह छतों और गलियों में अंतिम संस्कार किए जा रहे हैं।

अयोध्या में मौसम सुहावना होने के दौरान राम मंदिर परिसर के सामने मोर नाचता दिखाई दिया। मौसम विभाग के अनुसार, 31 अगस्त तक बारिश में कमी आने की संभावना है। सितंबर के पहले सप्ताह में फिर बारिश का दौर शुरू हो सकता है। उधर, नेपाल में त्रिशूली नदी का जलस्तर बढ़ने से गंडक नदी को लेकर भी उत्तर प्रदेश और बिहार में प्रशासन सतर्क है।

यूपी में 41 फर्जी डॉक्टरों पर आठ दिन बाद मुकदमा दर्ज

फर्जी प्रमाणपत्रों से पंजीकरण कर इलाज करने का है आरोप

पुलिस ने दस्तावेज जुटाकर शुरू की जांच

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बी चिकित्सा पद्धति बोर्ड में कथित फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर पंजीकरण कराने वाले 41 लोगों के खिलाफ आखिरकार पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। बोर्ड की ओर से शिकायत दिए जाने के आठ दिन बाद हुसैनगंज पुलिस ने रविवार को कार्रवाई की। मामले में अब बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आने की संभावना है।

बताया गया कि अप्रैल 2025 में हुई जांच के दौरान 41 लोगों के फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर बोर्ड में पंजीकरण कराने का मामला सामने आया था। आरोप है कि पंजीकरण कराने के बाद ये लोग चिकित्सक के रूप में मरीजों का उपचार कर रहे थे। मामले में अब तक मुकदमा दर्ज नहीं होने पर सवाल उठ रहे थे। प्रकरण सामने आने के बाद बोर्ड अधिकारियों ने पुलिस को शिकायत दी थी।

डीसीपी मध्य विक्रांतवीर ने शिकायत को हुसैनगंज थाने भेजा था। पुलिस ने बोर्ड की पत्रावलियों की जांच करने के साथ कार्यालय जाकर संबंधित दस्तावेज भी जुटाए। इसके बाद रविवार को मुकदमा दर्ज किया गया।

थानाध्यक्ष शिवमंगल सिंह ने बताया कि पुलिस ने पत्रावलियों की जांच कर अपनी रिपोर्ट डीसीपी को भेजी थी। अब मुकदमा दर्ज होने के बाद पूरे मामले की विस्तृत जांच की जाएगी। फर्जी पंजीकरण में किसी अधिकारी या कर्मचारी की भूमिका सामने आने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस संबंधित दस्तावेजों और पंजीकरण प्रक्रिया की पड़ताल कर रही है।

जयंत चौधरी ने अखिलेश पर साधा निशाना, पीडीए पर कसा तंज

बोले– चुनाव में जाति नहीं, मुद्दों पर होगी राजनीति

यूनिक समय, लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने रविवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित सम्मान समारोह में समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग विवादों को भी राजनीतिक नजरिए से देखते हैं और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करते हैं।

जयंत चौधरी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने सभी वर्गों का सम्मान करना सिखाया था। उनकी राजनीति जातिवाद के बजाय समाज के कमजोर वर्गों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित थी। उन्होंने कहा कि अहंकार, भ्रष्टाचार, चोरी और धोखाधड़ी की राजनीति के बजाय सम्मान और विकास की बात होनी चाहिए। उन्होंने पीडीए को लेकर भी समाजवादी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि अब राजनीति युवा, किसान, व्यापारी, उद्यमी, कुटीर उद्योग और शिक्षकों के मुद्दों पर होनी चाहिए। जयंत ने कार्यकर्ताओं से युवाओं को पार्टी की विचारधारा और संघर्ष की जानकारी देने का आह्वान किया। सम्मेलन में रालोद नेताओं ने संगठन के विस्तार का दावा किया। कार्यकारी अध्यक्ष अनुपम मिश्र ने कहा कि प्रदेश में कोई भी सरकार रालोद के बिना नहीं बन सकेगी। उन्होंने पश्चिम के साथ पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश में भी पार्टी की सक्रियता बढ़ने की बात कही।

जलभराव से परेशान गांव में नाव लेकर पहुंचे बालयोगी

दो महीने से भरे पानी पर उठाए सवाल

विधायक पर लगाए गंभीर आरोप

यूनिक समय, फतेहाबाद। गुर्जा मेवली खुर्द गांव में लंबे समय से जलभराव की समस्या से ग्रामीण परेशान हैं। रविवार को सामाजिक कार्यकर्ता बालयोगी ने अनोखे अंदाज में विरोध जताते हुए सड़क पर भरे पानी में नाव चलाई। उन्होंने आरोप लगाया कि बारिश के करीब दो महीने बाद भी जलनिकासी की व्यवस्था नहीं हो सकी है। इससे ग्रामीणों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को आवागमन में परेशानी हो रही है।

बालयोगी ने कहा कि गांवों के विकास के लिए जिला पंचायत को 800 करोड़ रुपये का बजट मिला है, लेकिन इसके बावजूद जलभराव की समस्या बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास कार्यों के लिए आए धन का सही उपयोग नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यदि तीन दिन में जलभराव की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा और बजट के एक—एक रुपये का हिसाब मांगा जाएगा।

बालयोगी ने क्षेत्रीय विधायक छोटे लाल वर्मा पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीणों द्वारा सड़क की समस्या उठाने पर विधायक नाराज हो गए थे।

कुछ दिन पहले शोकसभा के दौरान भी ग्रामीणों और विधायक के बीच कहासुनी का वीडियो सामने आया था। बालयोगी ने प्रशासन से जलनिकासी की व्यवस्था जल्द कराने की मांग की।

योगी का सपा पर हमला बोले– कर्फ्यू इनकी पहचान

योगी ने जातीय राजनीति पर साधा सपा पर निशाना

राजनाथ ने 101 करोड़ की योजनाएं गिनाईं

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। लखनऊ में वीरांगना अवंती बाई लोधी की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में उन्होंने आरोप लगाया कि सपा पीडीए के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास कर रही है। योगी ने कहा कि उनकी सरकार माफिया, भ्रष्टाचार और बेईमानी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की नीति पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र को लेकर भी सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि परियोजना के लिए 200 करोड़ रुपये की योजना बनाई गई थी, लेकिन 864 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी काम पूरा नहीं हुआ। सरकार ने परियोजना को सपा के नियंत्रण से लेकर लखनऊ विकास प्राधिकरण को सौंप दिया है। योगी ने कहा कि जनता के धन का दुरुपयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा।

योगी ने आरोप लगाया कि सपा के शासनकाल में दंगे और कर्फ्यू आम बात थे। उन्होंने कहा कि जाति और वर्ग के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश देश को कमजोर करती है। उन्होंने अवंती बाई लोधी के संघर्ष से प्रेरणा लेकर एकजुट रहने का आह्वान किया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और योगी ने अवंती बाई लोधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। राजनाथ ने लखनऊ छावनी के लिए करीब 101 करोड़ रुपये की 12 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें जलापूर्ति, शिक्षा, खेल, नागरिक सुविधाएं और पार्किंग से जुड़े कार्य शामिल हैं।

चर्चित आईएएस दिव्या मित्तल ने अचानक दिया इस्तीफा

चार महीने से साइडलाइन थीं, इस्तीफे की वजह अज्ञात

मिर्जापुर और देवरिया में कार्यशैली से चर्चा में रहीं

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की चर्चित आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने मुख्य सचिव एसपी गोयल को त्यागपत्र भेजा। इसके बाद सामाजिक माध्यमों पर पोस्ट कर इस्तीफे की जानकारी दी। दिव्या मित्तल वर्तमान में लखनऊ स्थित राजस्व विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात थीं। उनके अचानक इस्तीफे से प्रशासनिक हलकों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि, उन्होंने त्यागपत्र देने की कोई स्पष्ट वजह नहीं बताई है।

दिव्या मित्तल वर्ष 2013 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने आईआईटी दिल्ली से अभियांत्रिकी की पढ़ाई की और आईआईएम बेंगलुरु से प्रबंधन की डिग्री हासिल की। पढ़ाई के बाद उन्होंने लंदन में नौकरी की, लेकिन बाद में नौकरी छोड़कर भारत लौट आईं। उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी शुरू की और पहले प्रयास में भारतीय पुलिस सेवा के लिए चयनित हुईं। इसके अगले वर्ष उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा में सफलता हासिल की।

दिव्या मित्तल मिर्जापुर, बस्ती और देवरिया की जिलाधिकारी रह चुकी हैं। मिर्जापुर में जिलाधिकारी रहते हुए उनकी कार्यशैली काफी चर्चा में रही। उनकी पहल से लहुरियादह गांव में पहली बार पानी पहुंचा था। इसके अलावा सार्वजनिक कार्यक्रमों और प्रशासनिक बैठकों में उनकी सक्रियता भी लोगों के बीच चर्चा का विषय रही।

बाद में देवरिया की जिलाधिकारी रहते हुए भी वह कई मामलों में सुर्खियों में रहीं। अधिकारियों और कर्मचारियों को काम में लापरवाही पर फटकार लगाने के उनके कई वीडियो सामने आए थे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मतभेद की खबरें भी सामने आई थीं। करीब चार महीने पहले उनका देवरिया से तबादला कर लखनऊ भेजा गया था। इसके बाद उन्हें क्षेत्रीय पद नहीं मिला।

दिव्या के पति गगनदीप सिंह भी भारतीय व्यापार सेवा के अधिकारी रह चुके हैं। उन्होंने 2022 में सरकारी नौकरी छोड़कर कारोबार शुरू किया। दिव्या के इस्तीफे के बाद उनके आगे की योजना को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। इनमें कारोबार, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कराने और राजनीति में आने की संभावनाएं शामिल हैं। हालांकि, इन चर्चाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

आगरा में कोचिंग संचालक की जलकर मौत, जांच शुरू

यूनिक समय, आगरा। सिकंदरा आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर–10 में शनिवार रात मकान में आग लगने से 70 वर्षीय कोचिंग संचालक विनय बोस की जलकर मौत हो गई। रविवार सुबह कामवाली के पहुंचने पर दरवाजा अंदर से बंद मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कुंडी तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो विनय का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। विनय मूल रूप से जगदलपुर, छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। वह छोटे भाई सुनील बोस के साथ फरवरी से किराए के मकान में रहकर न्यू साईं एजुकेशन ट्यूशन एकेडमी चलाते थे। घटना के समय सुनील आगरा से बाहर था। वहीं, दोनों भाइयों को टिफिन देने वाली महिला, जिसे वे अपनी भांजी बताते थे, भी शनिवार शाम के बाद दिखाई नहीं दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, शनिवार रात करीब 10 बजे मकान से धुआं निकल रहा था, लेकिन इसे पूजा–पाठ का धुआं समझकर किसी ने ध्यान नहीं दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई गई है।

नेपाल बाढ़ में जल विद्युत परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे 898 कर्मचारी

छेद कर पाइप से पहुंचाई जा रही सुरंगों में हवा

बाढ़ से मृतकों की संख्या बढ़कर 752 तक पहुंची

हजारों लोग अब भी लापता

भारत समेत कई देशों ने बढ़ाया राहत सहयोग

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल में 26 अगस्त को भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। सबसे बड़ी चुनौती जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को सुरक्षित निकालना है। जानकारी के अनुसार करीब 898 कर्मचारी अभी भी विभिन्न सुरंगों में फंसे हैं, जबकि 361 लोगों को अब तक सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है।

त्रिशूली–3 ए जलविद्युत परियोजना की सुरंग में बचाव दल मिट्टी और गाद हटाने में जुटा है। सुरंग में करीब छह इंच का छेद कर पाइप के माध्यम से अंदर हवा पहुंचाई जा रही है। अब इस छेद को बड़ा कर रास्ता बनाने की तैयारी है, ताकि बचाव दल सुरंग के भीतर पहुंचकर फंसे लोगों की तलाश कर सके।

बाढ़ और भूस्खलन से नेपाल में मृतकों की संख्या बढ़कर 752 हो गई है, जबकि करीब 2,500 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कई गांवों में घर, सड़कें और पुल बाढ़ के पानी और मलबे में तबाह हो गए हैं।

नेपाल सेना हेलिकॉप्टरों से लोगों को सुरक्षित निकालने के साथ निचले इलाकों से विस्थापित परिवारों को राहत शिविरों तक पहुंचा रही है। खोजी कुत्तों और भारी मशीनों की मदद से मलबे में भी तलाश जारी है।

नेपाल की मदद के लिए भारत समेत कई देशों ने राहत सामग्री और बचाव दल भेजे हैं। भारत अब तक बड़ी मात्रा में राहत सामग्री के साथ सुरंग विशेषज्ञों और तकनीकी दलों को नेपाल भेज चुका है। इसके अलावा क्षतिग्रस्त सड़कों और पुलों को फिर से जोड़ने के लिए अस्थायी पुल निर्माण में भी सहयोग दिया जा रहा है।

बाढ़ के बाद चीन–नेपाल सीमा क्षेत्र में भी कई विदेशी नागरिकों के लापता होने की सूचना है। दोनों देशों की एजेंसियां राहत और बचाव अभियान में जुटी हैं।

नेपाल बाढ़ चेतावनी में देरी पर उठे सवाल

लोगों को सुबह साढ़े सात बजे मिली थी पहली सूचना

सरकारी संदेश करीब दो घंटे बाद पहुंचने का दावा

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल में 26 अगस्त को भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद चेतावनी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि उन्हें सुबह करीब 7:30 बजे ही बाढ़ की सूचना मिल गई थी, जबकि सरकारी स्तर पर संदेश बाद में भेजे गए। इस देरी को लेकर चीन की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, चीन की ओर से रसुवा जिला प्रशासन को बाढ़ की जानकारी सुबह करीब 9 बजे मिली। इसके बाद नदी के दोनों किनारों पर रहने वाले लोगों को संदेश भेजकर सतर्क किया गया। हालांकि, प्रधानमंत्री कार्यालय का कहना है कि उसे जिला प्रशासन से इससे पहले सूचना मिल गई थी। बाढ़ से पहले नेपाल–तिब्बत सीमा के पास 4.4 तीव्रता के भूकंपीय झटके महसूस किए गए थे। इसके कुछ देर बाद भोटेकोशी नदी के जलस्तर की जानकारी देने वाला निगरानी तंत्र बंद हो गया। इसके बाद ऊपरी क्षेत्र में पहाड़ का हिस्सा टूटकर नदी में गिरा और अचानक पानी तथा मलबे का बहाव तेज हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार त्रिशूली बाजार की ओर सुबह करीब 9:36 बजे बाढ़ का पानी तेजी से बढ़ रहा था। इसके केवल दो मिनट बाद बाजार का बड़ा हिस्सा पानी और मलबे में बह गया। इस घटना ने चेतावनी व्यवस्था की गति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बाढ़ में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और हजारों अब भी लापता बताए जा रहे हैं। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि यदि समय रहते खतरे की सूचना मिल जाती तो बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाई जा सकती थी।

गंभीर मामलों में न्यायपालिका संसद का इंतजार नहीं करती

डिजिटल ठगी पर सर्वोच्च न्यायालय ने लिया स्वतः संज्ञान

सीजेआई ने आर्थिक अपराधों से निपटने पर जताई चिंता

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि गंभीर और नए प्रकार के अपराधों से निपटने के लिए न्यायपालिका संसद द्वारा कानून बनाए जाने का इंतजार नहीं करती। उन्होंने डिजिटल ठगी के बढ़ते मामलों का उदाहरण देते हुए बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने डिजिटल अरेस्ट मामले में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई की है।

उन्होंने लंदन में आर्थिक अपराध पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में कहा कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों में ठग वीडियो कॉल के जरिए खुद को पुलिस, न्यायिक या सरकारी अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और उनसे धन ऐंठते हैं। सीजेआई ने कहा कि किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के कारण उसे लिखित रूप में बताना जरूरी है। केवल मौखिक जानकारी देना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि मुकदमे से पहले लंबे समय तक हिरासत में रखना सजा का विकल्प नहीं बनना चाहिए। सूर्यकांत ने कहा कि आर्थिक अपराधों में अवैध धन अक्सर देश की सीमाओं से बाहर चला जाता है। ऐसे मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। उन्होंने अवैध संपत्ति की बरामदगी और वापसी को बड़ी चुनौती बताते हुए पारस्परिक कानूनी सहायता समझौतों को महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

जयपुर में नीट–पीजी परीक्षा केंद्र पर तकनीकी गड़बड़ी

बिजली बाधित होने से अभ्यर्थियों की परीक्षा रुकी

पांच सितंबर को दोपहर तीन बजे होगी पुनर्परीक्षा

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट–पीजी 2026 की परीक्षा के दौरान जयपुर के सीतापुरा स्थित परीक्षा केंद्र पर तकनीकी समस्या के कारण कई अभ्यर्थी परीक्षा पूरी नहीं कर सके। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड ने प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए पुनर्परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है। अब इन अभ्यर्थियों की परीक्षा 5 सितंबर को दोपहर 3 बजे आयोजित की जाएगी।

सीतापुरा स्थित आईओएन डिजिटल क्षेत्र में परीक्षा के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने से कंप्यूटर प्रणालियों में परेशानी आई। कुछ अभ्यर्थियों के कंप्यूटर शुरू हो गए, जबकि कई अभ्यर्थी परीक्षा शुरू नहीं कर सके। इससे केंद्र के बाहर अभ्यर्थियों और उनके परिजनों में नाराजगी देखने को मिली। बोर्ड के अनुसार, नीट–पीजी परीक्षा देशभर के 1111 केंद्रों पर आयोजित हुई थी। इसमें 2.73 लाख से अधिक अभ्यर्थी पंजीकृत थे। अधिकांश अभ्यर्थियों की परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी हो गई, लेकिन सीतापुरा केंद्र पर समस्या के कारण कुछ अभ्यर्थी प्रभावित हुए।

बोर्ड ने कहा है कि पुनर्परीक्षा के लिए नए प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे। परीक्षा केंद्र से संबंधित जानकारी भी अभ्यर्थियों को अलग से उपलब्ध कराई जाएगी।

अधूरी मांगों को लेकर पांच सितंबर को फिर मार्च

कॉकरोच जनता पार्टी ने सरकार पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप

छात्रों पर दर्ज मामले वापस लेने और माफी की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने सरकार पर आंदोलनकारियों से किए गए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि चार मांगों में से तीन अब भी लंबित हैं। इनमें छात्रों के परिवारों को मुआवजा, छात्रों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेना और कार्रवाई रोकना तथा दिल्ली पुलिस और आरएएफ से माफी मांगना शामिल है।

पार्टी ने घोषणा की है कि इन मांगों को लेकर पांच सितंबर को दिल्ली में फिर विरोध मार्च निकाला जाएगा। मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली स्थित पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। इसमें उन छात्रों के परिजन भी शामिल होने की बात कही गई है, जिन्होंने परीक्षा में गड़बड़ी के बाद आत्महत्या की थी।

कॉकरोच जनता पार्टी ने नीट प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा में कथित गड़बड़ी के विरोध में 20 जून से जंतर–मंतर पर आंदोलन शुरू किया था। 25 जुलाई को सरकार के आश्वासन और तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद आंदोलन समाप्त कर दिया गया था। इसी दिन पार्टी नेताओं ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर मांगों पर सहमति बनने का दावा किया था।

पार्टी के अनुसार 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया था। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उन्हें पर्याप्त अनुमति नहीं दी गई और पुलिस ने कार्रवाई की।

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस कार्रवाई के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति गठित की है। समिति की अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश आर. सुभाष रेड्डी कर रहे हैं। पार्टी ने कहा कि लंबित मांगों के पूरा होने तक उसका आंदोलन जारी रहेगा।

आतंकियों की गुप्त बातचीत पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर

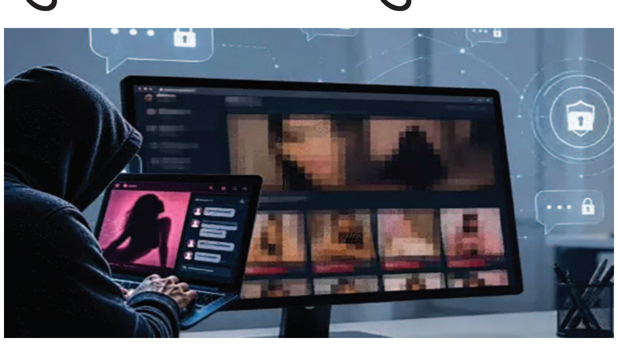

अश्लील वेबसाइटों के संवाद माध्यमों के दुरुपयोग का दावा

कूटबद्ध संदेशों से पहचान छिपाने की कोशिश सामने आई

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकी संगठनों की डिजिटल गतिविधियों को लेकर एक नई रणनीति का पता लगाने का दावा किया है। अधिकारियों के अनुसार पाकिस्तान में बैठे आतंकी संचालक जम्मू–कश्मीर में सक्रिय अपने संपर्कों तक संदेश पहुंचाने के लिए पारंपरिक सामाजिक माध्यमों के बजाय कुछ ऐसे ऑनलाइन मंचों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिनकी निगरानी अपेक्षाकृत कठिन है।

अधिकारियों के मुताबिक कुछ अश्लील वेबसाइटों पर उपलब्ध निजी संवाद सुविधाओं का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। इन माध्यमों के जरिए संदेश भेजकर आतंकी संचालक सामान्य सामाजिक मंचों पर होने वाली निगरानी से बचने की कोशिश कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियां ऐसे कई कूटबद्ध संवाद माध्यमों की जांच कर रही हैं, जिनका इस्तेमाल उपयोगकर्ताओं की पहचान छिपाने के लिए किया जा सकता है। अधिकारियों का कहना है कि कुछ संदिग्ध लोग ऐसे माध्यमों का सहारा लेते हैं, जिनमें सामान्य दूरभाष क्रमांक या ईमेल के बिना भी संवाद की सुविधा मिलती है। जांच में विदेशों से संचालित कुछ अनुप्रयोगों और गुमनाम संवाद मंचों के इस्तेमाल की जानकारी भी सामने आने की बात कही गई है। एजेंसियां इन माध्यमों के तकनीकी ढांचे और संदिग्ध गतिविधियों के बीच संबंधों की पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार घाटी में मौजूद कुछ संदिग्ध लोगों ने ऐसे संवाद माध्यमों का इस्तेमाल किया, जो धीमे इंटरनेट संपर्क में भी काम कर सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब ऐसे माध्यमों की पहचान कर उनके संभावित दुरुपयोग को रोकने पर ध्यान दे रही हैं।

जांच के दौरान आभासी दूरभाष पहचान और अन्य छद्म डिजिटल माध्यमों के इस्तेमाल की आशंका भी सामने आई है। एजेंसियां आतंकी नेटवर्क की डिजिटल गतिविधियों, भर्ती और संदेशों के आदान–प्रदान पर नजर बढ़ा रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि नई तकनीकों के दुरुपयोग को रोकना सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

केपीएससी भर्ती गड़बड़ी में आईएएस अधिकारी गंगवार हिरासत में

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक लोक सेवा आयोग की पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं के मामले में अपराध जांच विभाग ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार को हिरासत में लिया है। अधिकारियों के अनुसार, गंगवार से कई घंटे तक पूछताछ की गई। आरोपित अनियमितताओं के समय वह आयोग में परीक्षा नियंत्रक के पद पर कार्यरत थे।

यह मामला पहले विधान सौधा पुलिस थाने में दर्ज हुआ था। 28 जुलाई को जांच अपराध जांच विभाग को सौंप दी गई। शिकायत में पशुपालन विभाग में पशु चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए थे। इसके बाद सीआईडी ने परीक्षा से जुड़े अधिकारियों और अन्य लोगों से पूछताछ शुरू की। गंगवार वर्तमान में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग में निदेशक हैं। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ में कथित तौर पर सहयोग नहीं करने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इससे पहले 23 अगस्त को प्रवर्तन निदेशालय ने बेंगलुरु स्थित उनके आवास की तलाशी भी ली थी। मामले की जांच जारी है।

दीनदयाल धाम में सात अक्टूबर से सजेगा स्मृति महोत्सव मेला

चार दिन धार्मिक सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों से गुलजार रहेगा धाम

कवि सम्मेलन, कुश्ती दंगल और युवा सम्मेलन होंगे आकर्षण

पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला के कार्यक्रमों पर चिंतन करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, फरह। दीनदयाल धाम में पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला इस वर्ष सात से 10 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। चार दिवसीय महोत्सव में धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और साहित्यिक कार्यक्रमों की विविध श्रृंखला होगी। मेले को लेकर आयोजकों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और क्षेत्रीय लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

स्मृति महोत्सव मेला समिति के अध्यक्ष एडवोकेट सोहनलाल शर्मा ने बताया कि महोत्सव का अनौपचारिक शुभारंभ छह अक्टूबर को मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ और भजन कार्यक्रम से होगा। सात अक्टूबर को कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद हवन, रंगोली प्रतियोगिता और मेला शुभारंभ समारोह होगा। विद्या मंदिरों के विद्यार्थियों की ओर से रंगमंचीय प्रस्तुतियां दी जाएंगी। शाम को रसिया दंगल का आयोजन होगा।

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में जुटेंगे देशभर के कवि: स्मारक समिति के निदेशक सोनपालजी ने बताया कि आठ अक्टूबर को हवन-जन्मोत्सव कार्यक्रम के साथ बधाई गीत, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता और विराट युवा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

इसी दिन होने वाला राष्ट्रीय कवि सम्मेलन महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रहेगा। इसमें देशभर से आए कवि अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि नौ अक्टूबर को गौ पूजन और स्वस्थ गोवंश प्रतियोगिता आयोजित होगी। राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी, महिला लोकगीत प्रतियोगिता और विराट कुश्ती दंगल होगा। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम, डांडिया नृत्य और गायन और जिकड़ी भजन प्रस्तुत किए जाएंगे।

नारी शक्ति पर केंद्रित रहेगा अंतिम दिन: स्मृति महोत्सव मेला समिति के कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक ने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन 10 अक्टूबर को विचार गोष्ठी, विराट कुश्ती दंगल, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और भजन संध्या आयोजित की जाएगी। आयोजकों का कहना है कि इस महोत्सव में धार्मिक आस्था के साथ संस्कृति, साहित्य, सामाजिक सरोकार और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों को प्रमुखता दी जाएगी। बैठक में मुरलीधर शर्मा, शिवकुमार, जगमोहन पाठक, आर्येंद्र, विष्णु, कुश अवतार, छैलबिहारी, पारस, रामनरेश कटारा, महीपाल सिंह, भकम चंद दुबे, नीरज गर्ग, निर्मला दीक्षित, बबीता पाठक, लोकेश्वर प्रताप सिंह, दिनेश गौड़, धर्मेंद्र सिंह भोला आदि पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नेपाल त्रासदी में मृतकों की शांति को गोवर्धन में हुआ हवन

यूनिक समय, गोवर्धन। नेपाल में आई त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति और लापता लोगों की सकुशल वापसी के लिए विशेष हवन–यज्ञ का आयोजन किया गया। पूरब आम्नाय गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आचार्यों ने हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कीं।

अनुष्ठान के दौरान मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की गई। साथ ही नेपाल में लापता श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय लोगों के शीघ्र सुरक्षित लौटने की कामना की गई। शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ ने कहा कि संकट की इस घड़ी में नेपाल के लोगों की सुरक्षा और आपदा से प्रभावित परिवारों के लिए प्रार्थना करना आवश्यक है। उन्होंने राहत-बचाव कार्य में जुटे भारतीय सेना, पुलिस, अर्द्धसैनिक बलों और अन्य कर्मियों की सराहना की। उन्होंने ईश्वर से बचाव अभियान में सफलता और सभी लापता लोगों की सुरक्षित वापसी की प्रार्थना की।

गौरी गोपाल आश्रम में गूंजे भक्ति के सुर, सजा भंडारा

कार्यक्रम के दौरान भजन गायन करते गायक।

केशवदेव महाराज के भक्तों ने श्रद्धा से कराया आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। प्राचीन ठाकुर श्री केशवदेव महाराज के भक्तों की ओर से गौरी गोपाल आश्रम में भंडारे और भजन संध्या का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गौरी गोपाल महाराज और ठाकुर श्री केशवदेव के चित्रपट पर अनिरुद्ध आचार्य महाराज द्वारा पुष्प अर्पित कर प्रसादी वितरण के शुभारंभ से हुई। इस अवसर पर कन्हैया लाल सुपारी वालों ने महाराज का माल्यार्पण कर स्वागत किया। भजन संध्या का शुभारंभ मनमोहन आगरा ने 'मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है' भजन से किया। इसके बाद बनवारी लाल शर्मा ने 'वृंदावन धाम अपार, भजे जा राधे–राधे' और दीपक शर्मा ने 'राधा को नाम अनमोल, बोलो राधे–राधे' जैसे भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों से आश्रम परिसर भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में महेश प्रेस वाले, मोहनलाल राजकोटी, राजकुमार अग्रवाल, विजय पेपर वाले, राजू, राधिका, पायल, कल्पना मिश्रा और सविता अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

नेपाल आपदा में फंसे लोगों की कुशलता के लिए यज्ञ में की प्रार्थना

नेपाल में जलप्रलय में मारे गए लोगों की आत्मशांति को हवन करते लोग।

यूनिक समय, कोसीकलां। नंदगांव रोड स्थित शिव मंदिर परिसर में रविवार को पंच यज्ञ प्रचारिणी सभा के तत्वावधान में विशेष यज्ञ–हवन का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुतियां देकर विश्व कल्याण और लोक मंगल की कामना की। इस दौरान नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ और प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति, प्रभावित लोगों की कुशलता के लिए भगवान शिव से प्रार्थना की गई। आचार्य विवेक उपाध्याय ने कहा कि नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा बेहद दुखद है। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने नेपाल में जल्द हालात सामान्य होने की प्रार्थना भी की। इस अवसर पर यज्ञ प्रबंधक कन्हैयालाल मंगला, योगेश धानौतिया, प्रेमसिंह पौनिया, मीडिया प्रभारी पं भारत शर्मा, पं हरिओम वैष्णव, राजकुमार शर्मा आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर बच्चों ने निकाली साइकिल रैली

राष्ट्रीय खेल दिवस पर संडे ऑन साइकिल रैली प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

यूनिक समय, मथुरा। स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में जिला खेल कार्यालय की ओर से खेलो इंडिया कायक्रम के अंतर्गत विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। रविवार को प्रातः 6:30 बजे 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों, खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों-खिलाड़ियों ने साइकिल रैली निकाली। रैली के माध्यम से लोगों को फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली और नियमित खेल गतिविधियों के प्रति जागरूक किया गया। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ साइकिलिंग करते हुए खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। वहीं खिलाड़ियों के लिए विभिन्न मनोरंजक और रिक्रिएशनल खेल गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। इनमें 'पास द बॉल', 'ग्रैब द कोन' आदि खेल खेले गए।

संडे ऑन साइकिल' में खिलाड़ियों ने दिखाया उत्साह

उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों, खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने, खेलों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यालय की ओर से संदेश दिया गया कि 'खेलेगा भारत, खिलेगा भारत।

शेरगढ़ में आंबेडकर डिजिटल पुस्तकालय का शुभारंभ

यूनिक समय, छाता। शेरगढ़ कस्बे में रविवार को गढ़ी रोड स्थित आंबेडकर पार्क में डॉ. भीमराव आंबेडकर डिजिटल निशुल्क पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया। चेयरमैन कपिल ने फीता काटकर पुस्तकालय का उद्घाटन किया। पुस्तकालय में कंप्यूटर और लैपटॉप की व्यवस्था की गई है, जिससे विद्यार्थी डिजिटल माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को भी यहां निशुल्क अध्ययन की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर नगरी दास, ओवा के प्रधान राम सिंह, बहता के प्रधान यशवंत सिंह, डीलर अजय सिंह, चंदू मौर्य, आकाश, योगेश, नरेश, रोहतास, विनोद और चमन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। स्थानीय युवाओं ने इसे शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगी पहल बताया।

रामलीला संस्थान में अध्यक्ष पद पर फंसा पेंच, चुनाव टला

रामलीला संस्थान की बैठक में मौजूद गणमान्य नागरिक।

यूनिक समय, कोसीकलां। भरत मिलाप मेले के आयोजक श्रीरामलीला संस्थान के द्विवार्षिक चुनाव में रविवार को अध्यक्ष पद को लेकर सहमति नहीं बन सकी। इसके चलते चुनाव को स्थगित करना पड़ा। नगर के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में भी किसी एक नाम पर मुहर नहीं लग पाई। भरत मिलाप चौक पर हनुमानजी के ध्वज के नीचे पुलिस सुरक्षा के बीच चुनावी बैठक बुलाई गई थी। बैठक की अध्यक्षता पं. विष्णुदत्त शर्मा ने की। सबसे पहले निवर्तमान अध्यक्ष अजय मंगला और उनकी कार्यकारिणी ने बीते दो साल के कार्यकाल का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया। इसके बाद नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू हुई। अध्यक्ष पद के लिए अजय वार्ष्णेय, सुरजीत चौधरी और गिर्राज चौधरी ने दावेदारी जताई। सहमति बनाने के लिए 11 पंचों की टीम बनाई गई। पंचायत में पूर्व चेयरमैन नरेंद्र गुर्जर, पूर्व चेयरमैन भगवत प्रसाद रुहेला, कमल किशोर वार्ष्णेय, भानू प्रताप सिंह, जगदीश प्रसाद सुपानिया, राजीव अग्रवाल, संजीव जाबिया, तरुण सेठ, वेद प्रकाश, सुभाष गोयल और डॉ. प्रकाश आर्य शामिल रहे। काफी देर तक चले मंथन के बाद भी जब अध्यक्ष के नाम पर एकराय नहीं बनी तो पंचायत ने चुनाव को टालने का निर्णय लिया। अब नई तिथि घोषित कर दोबारा चुनाव कराया जाएगा।

इस मौके पर आशीष ठाकुर, अजय गोयंका, कन्हैयालाल गोयल, ठा. हरेंद्र सिह, मौना अग्रवाल, दीपक बडगूजर, अशोक बठैनिया, पदम दलाल, हुकमचंद अग्रवाल, सत्यवीर सांगवान, महेश पाल, किरोडी टेंट वाले, नेमचंद गर्ग, बॉबी ठाकुर, ताराचंद एडवोकेट सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

साइबर अपराधी गिरफ्तार, मोबाइल पर हैं 79 ऑनलाइन शिकायतें दर्ज

पुलिस गिरफ्त में साइबर अपराधी।

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके पास से मोबाइल फोन और तीन फर्जी आधार कार्ड बरामद किए हैं।

पुलिस ने एक सूचना पर नीमगांव पाईपास रोड के सकरवा कट के समीप से अभियुक्त मोहम्मद शकील निवासी मड़ोरा थाना गोवर्धन को गिरफ्तार किया है।

अभियुक्त साइबर ठगी करता है। मोबाइल फोन की जांच करने के दौरान विभिन्न बैंक खातों की जानकारी और साइबर फ्रॉड से सबंधित जानकारी मिली। इसके साथ ही 79 ऑनलाइन साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज होना पाया गया। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।